नई दिल्ली
शुक्रवार
13 नवम्बर 2026
वर्षः 13, अंकः 70
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की



न्यूजीलैंड ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मैच...पेज-06

DELHIN/2014/58158

सारण के मांझी में सम्राट चौधरी ने किया अटल...पेज-05

एक नजर

देशभर में 'नशा मुक्त भारत अभियान' से अब तक 35.88 करोड़ से अधिक लोग जुड़े

नई दिल्ली। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का महत्वाकांक्षी 'नशा मुक्त भारत अभियान' (एनएमबीए) अब तक देशभर में 35.88 करोड़ से अधिक लोगों तक अपनी पहुंच बना चुका है। इस राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन के माध्यम से 14.35 करोड़ से ज्यादा युवाओं और 11.33 करोड़ महिलाओं को जागरूक किया गया है। मंत्रालय के अनुसार अभियान का एक प्रमुख स्तंभ 'नशा मुक्ति मित्र' पहल है, जिसके तहत सामुदायिक स्वयंसेवकों का नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जो लोगों को नशा छोड़ने और उपचार लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि देश में नशा मुक्ति के लिए इलाज और परामर्श लेने वाले लोगों की संख्या में भी वृद्धि देखी गई है। यह संख्या वर्ष 2020-21 के 2.08 लाख से बढ़कर 2025-26 में 9.11 लाख के पार पहुंच गई है। वर्तमान में देशभर में कुल 198 जिला नशा मुक्ति केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में इस अभियान को नशे की समस्या से अत्यधिक प्रभावित 272 जिलों में लागू किया गया था। इसके बाद अगस्त 2022 में इसका विस्तार 372 जिलों तक किया गया और 15 अगस्त 2023 से इसे देश के सभी जिलों में लागू कर दिया गया। वर्ष 2021 में यह अभियान लगभग 1.4 करोड़ लोगों तक पहुंचा था, जिसका दायरा अब 35.88 करोड़ से अधिक हो गया है। अभियान के तहत नई पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में अब तक 34.07 लाख से अधिक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा चुकी हैं। इसमें राज्यों, जिलों, शिक्षण संस्थानों और नागरिक समाज संगठनों की सक्रिय भागीदारी रही है।

खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में बढ़कर दो साल के उच्चतम स्तर 6.09 फीसदी पर

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को झटका लगा है। खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से खुदरा महंगाई दर अक्टूबर माह में तेजी से बढ़कर 6.09 फीसदी पर पहुंच गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई सितंबर महीने में 5.54 फीसदी रही थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक खाद्य महंगाई अक्टूबर में बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई, जो पिछले महीने सितंबर में 7.74 फीसदी रहीं थी। देश में अक्टूबर में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 6.63 फीसदी रही। शहरी इलाकों में यह 5.41 फीसदी रही है।

मंत्रालय के मुताबिक अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर में वृद्धि की मुख्य वजह प्याज (116.22 फीसदी), लहसुन (60.74 फीसदी), चांदी के आभूषण (52.39 फीसदी), अदरक (48.32 फीसदी) और नींबू (47.30 फीसदी) की कीमतों में सबसे अधिक इजाफा है। पिछले दो साल में यह पहली बार खुदरा महंगाई आरबीआई की छह फीसदी की संतोषजनक सीमा से अधिक रही है। अक्टूबर की खुदरा महंगाई के आंकड़े आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की दो से चार दिसंबर को होने वाली बैठक से पहले महत्वपूर्ण हैं। अक्टूबर, 2024 में खुदरा महंगाई 6.25 फीसदी रही थी। अक्टूबर, 2024 में 6.25 फीसदी के बाद यह पहला मौका है जब खुदरा महंगाई दर इस उच्च स्तर पर पहुंची है।

विकसित भारत के लक्ष्य के लिए 2047 की 'डेडलाइन' पर चल रहा है देशः मोदी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आजादी के सौ साल पूरे होने तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के अपनी सरकार के संकल्प को दोहराते हुए गुरूवार को कहा कि इसके लिए देश 2047 की डेडलाइन लेकर चल रहा है। उन्होंने इसकी तुलना मीडियाकर्मियों के रोज समाचार भेजने और छापने की डेडलाइन (समयसीमा) से की। मोदी ने देशवासियों के सहयोग और शक्ति से यह डेडलाइन पूरी करने के प्रति पूर्ण विश्वास प्रकट करते हुए कहा कि देश जिस गति से पिछले 12 साल में आगे बढ़ा है उससे यह विश्वास पक्का हुआ है कि भारत के लिए अब कुछ भी असंभव नहीं है। श्री मोदी यहां भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय पर पत्रकारों के लिए आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी काम भी काम के लिए डेडलाइन बहुत जरूरी है, इससे काम में एक अनुशासन आता है।

उन्होंने कहा, '' समाचारों की दुनिया में एक चीज बहुत जरूरी होती है, वो है डेडलाइन। आपकी पूरी जिंदगी डेडलाइन पर चिपकी हुई रहती है। अखबार छपने का समय हो, या स्टोरी ब्रॉडकास्ट करने का, सबकी डेडलाइन तय होती है।' स्वागत संबोधन भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिया और समारोह में पार्टी के तीन पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह (रक्षा मंत्री), अमित शाह (गृह मंत्री) और जगत प्रवेश नड्डा (स्वास्थ्य मंत्री) भी उपस्थित थे। श्री मोदी ने राष्ट्रनिर्माण में मीडिया की भूमिका के महत्व को रेखांकित करते हुए उससे भारत की विकास की कहानी को देश-दुनिया में फैलाने का आग्रह किया। उन्होंने मीडिया से नशामुक्ति अभियान में योगदान करने और सामाजिक एकता को मजबूत करने में अपना योगदान करने की पुरजोर अपील भी की। प्रधानमंत्री ने विश्व बैंक की एक हालिया रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में 12-13 साल में 50 करोड़ लोग निपट गरीबी के गर्त से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा, 'आज देश का गरीब अपने को गरीबी से बाहर निकालने में समर्थ हुआ है।'' उन्होंने



सोशल मीडिया की बढ़ती भूमिका का भी उल्लेख किया और कहा कि आज सबके अपने चैनल है, लोग पॉडकास्ट और रील बना रहे है और हर गली मोहल्ले में लोग अपनी-अपनी राय व्यक्त करते हैं। इससे 'जितने मुंह उतनी बात' की लोकोक्ति चरितार्थ होती है और यह 'भारत के लोकतंत्र की ताकत है।' 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के बारे में श्री मोदी ने कहा , 'आजादी के 100 साल पूरे होने से पहले हमें मिलकर भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। 2047 की डेडलाइन का मतलब यह नहीं है कि हमें तब तक इंतजार करना है।' उन्होंने इसकी तुलना आजादी के आंदोलन से करते हुए कहा कि पूर्ण स्वराज का लक्ष्य एक-दो दिन में पूरा होने वाला नहीं था। उन्होंने कहा ' लेकिन धीरे-धीरे छोटे लक्ष्य तय हुए, वो पूरे हुए और फिर लोगों में विश्वास जगा कि आजादी जरूर मिलेगी और पूरा देश इस संकल्प के साथ खड़ा हो गया। विकसित भारत के लक्ष्य तक भी हमें देश का यही विश्वास लेकर जाएगा। हम छोटे-बड़े अनेक लक्ष्य पूरे करते हुए आगे बढ़ेंगे तभी विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंच पाएंगे।'' उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मिशन की सफलता, दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बनने, चिनाब नदी पर दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज के निर्माण 12 साल में अपनी सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता में 50 गुना से ज्यादा की वृद्धि और इसी दौर में तीसरा सबसे बड़े स्टार्टअप वाला देश बनने जैसी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देश की नयी शक्ति और क्षमताओं को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज भारत जिन उपलब्धियों के साथ आगे बढ़ रहा है, उसमें विकसित भारत के लक्ष्य को पाना असंभव नहीं है।' उन्होंने गरीबों के लिए घरों के निर्माण, घर-घर शौचालय और गरीबों के लिए मुफ्त गैस कनेक्शन तथा लखपती दीदी जैसी अन्य कई उपलब्धियों का भी उल्लेख किया ।' प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान जैसे अभियानों में मीडिया की सार्थक भूमिका को याद करते उससे नशामुक्ति, समाज में एकता की भावना बढ़ाने और भारत की कहानी -जो कहने सुनने लायक अच्छी कहानी हो, उसे दुनिया के सामने ले जाने की अपील की। उन्होंने कहा, '' मैं एक और विषय पर आपका सहयोग चाहूंगा। अब हमें नशे को लेकर भी वैसी ही जागरूकता निभानी होगी।

विद्यार्थी रोजगार सृजनकर्ता बनें, ज्ञान से अवसर पैदा करेंः द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि विद्यार्थियों का लक्ष्य अपने ज्ञान के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित करने का भी होना चाहिए। इससे देश के समावेशी विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से ऊंचे लक्ष्य रखने और लगन, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज राष्ट्रपति भवन में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, 'शिक्षा केवल आजीविका कमाने का साधन नहीं होना चाहिए बल्कि, विद्यार्थियों का लक्ष्य अपने ज्ञान के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित करने का भी होना चाहिए। जब हमारे युवा रोजगार सृजनकर्ता बनेंगे, तब देश के समावेशी विकास को और गति मिलेगी। विद्यार्थी समसामयिक घटनाओं और देश-दुनिया में हो रहे बदलावों के बारे में अवगत रहें। इससे उन्हें तार्किक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। जब भी विद्यार्थी अपने गांव जाएं, अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों के साथ समसामयिक घटनाओं और सरकार द्वारा चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में की जानकारी साझा करें। उनके इस प्रयास से परिवार और समाज लाभान्वित होगा तथा उनकी शिक्षा की सार्थकता बढ़ेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा देश वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के



लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश के हर क्षेत्र और समाज के हर वर्ग का विकास आवश्यक है। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय न केवल जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। विद्यार्थियों को केवल उचित अवसरों, अनुकूल वातावरण और सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है। यह संवाद कार्यक्रम जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 'जनजातीय गौरव पखवाड़ा' के अंतर्गत आयोजित किया गया था। यह पखवाड़ा प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष में मनाया जाता है।

दिल्ली का एक्यूआई 'बेहद गंभीर' श्रेणी में दर्ज, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी होने के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। गुरुवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 313 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में माना जाता है। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बूंदाबांदी होने के आसार हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार राजधानी के अलावा एनसीआर के अन्य शहरों में भी हवा की गुणवत्ता खराब रही। गाजियाबाद में एक्यूआई 297, नोएडा में 291 और ग्रेटर नोएडा में 257 दर्ज किया गया।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिनों तक सुबह के समय धुंध या हल्का कोहरा छाया रहने के आसार हैं। 13 नवंबर को अधिकतम तापमान 28-30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 14-15 नवंबर को तापमान में हल्की गिरावट के साथ अधिकतम पारा 26-29 डिग्री और न्यूनतम पारा 15-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

मौसम विभाग ने बताया कि कश्मीर संभाग और आसपास के निचले क्षोभमंडल में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इसके प्रभाव से 13 नवंबर को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में व्यापक बारिश और बर्फबारी की संभावना है जबकि 14 नवंबर तक 40-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। इसके अलावा, 13 से 15 नवंबर के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट बारिश तथा आंधी-तूफान की संभावना है। मैदानी इलाकों में 13 नवंबर को पंजाब और 14-15 नवंबर को पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य अंडमान और आसपास के इलाकों में बने चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से 13 नवंबर के आसपास दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

पीयूष गोयल का वैश्विक निवेशकों से आग्रह- भारत को बनाएं अपना निवेश ठिकाना

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वैश्विक निवेशकों से भारत को अपना अगला निवेश का ठिकाना बनाने का आग्रह किया। उन्होंने वैश्विक निवेशकों से भारत में निवेश करने और उद्योगों से गुणवत्ता एवं टिकाऊपन पर ध्यान देने का आग्रह करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत निवेश के लिए एक सुरक्षित गंतव्य है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दो दिवसीय 31वें कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) साझेदारी सम्मेलन में पहले दिन संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक हिन्दी पिक्चर के चर्चित डॉयलाग का उल्लेख करते हुए कहा कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा? एक समय पूरा देश यही सवाल पूछ रहा था। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक व्यापार में साझेदार एक अलग ही सवाल पूछ रहे हैं कि हम किस पर भरोसा कर सकते हैं?

वायु सेना कमांडर कामिकेज ड्रोन ऑपरेशंस के लिए हमेशा तैयार रहेंः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेनाओं से आग्रह किया कि वे 'एलीमेंट ऑफ सरप्राइज' को मजबूत बनाए रखें, ताकि तेजी से हो रही टेक्नोलॉजी में तरक्की और मॉडर्न युद्ध की बदलती प्रकृति से पैदा होने वाले पारंपरिक और नए खतरों के खिलाफ ऑपरेशनल तैयारी बनी रहे। उन्होंने इंटेलिजेंस और सर्विलांस क्षमताओं को लगातार मजबूत करने, सिस्टम के बीच इंटीग्रेशन बढ़ाने और संभावित खतरों को सामने आने से पहले पहचानने की जरूरत पर भी जोर दिया। साथ ही ऑपरेशन, एडमिनिस्ट्रेशन और एयरोस्पेस सुरक्षा के लिए विकसित एआई एप्लिकेशन भी लॉन्च किए।

नई दिल्ली में एयरफोर्स कमांडर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने निगरानी और काउंटर-ड्रोन अभियानों को लेकर उच्चस्तर की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी डिफेंस फोर्स को ऐसी काबिलियत और तरीके बनाने चाहिए, जिनसे दुश्मन को रिएक्ट करने या संभलने का समय ही



न मिले और यह भी पक्का करना चाहिए कि दुश्मन की किसी अचानक हरकत से हम कभी हैरान न हों। सरप्राइज कई तरह से हो सकता है, पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह से। हमारे इंटेलिजेंस और सर्विलांस सिस्टम को और मजबूत करना होगा और ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाना होगा ताकि यह पक्का हो सके कि हमारे लोग किसी भी नई चुनौती का असरदार तरीके से जवाब देने के लिए अलर्ट, फुर्तीले और तैयार रहें। राजनाथ सिंह ने कहा कि आजकल की लड़ाइयां पारंपरिक लड़ाई के मैदानों से आगे बढ़कर नॉन-कॉन्टैक्ट डोमेन तक फैल रही हैं, जिसमें मिसाइल, ड्रोन और एडवांस्ड वेपन सिस्टम अहम भूमिका निभा रहे हैं। रूस-यूक्रेन और इज़राइल-हमास लड़ाइयों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम मॉडर्न लड़ाई के जरूरी हिस्से बनकर उभरे हैं। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायु सेना से इलेक्ट्रॉनिक, साइबर और स्पेस समेत लड़ाई के नए डोमेन के लिए खास सिद्धांत और आर्किटेक्चर बनाने को कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन डोमेन में बेहतर तैयारी से भविष्य की चुनौतियों से निपटने की क्षमता मजबूत होगी।

आसियान-भारत, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने 16-18 नवंबर तक फिलीपींस जाएंगे पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 16 से 18 नवंबर तक फिलीपींस की राजधानी मनीला की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ भारत की सहभागिता हमारी 'एक्ट ईस्ट नीति' की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है।

मनीला प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर द्वारा आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में शामिल होंगे। इसके अगले दिन वे आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की प्रक्रिया में भाग लेंगे तथा इस दौरान अन्य वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय समुदाय की भारी मांग को देखते हुए प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद को शामिल करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। आसियान के साथ मजबूत आर्थिक साझेदारी को रेखांकित करते हुए टंडन ने कहा कि इस क्षेत्र के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 122 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे यह समूह भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार बन गया है। उन्होंने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री क्षेत्र से सटे एक हिंद महासागर देश के रूप में भारत का दृढ़ विश्वास है कि सामूहिक रूप से और इसके सभी 11 सदस्य देशों के साथ अलग-अलग मजबूत रणनीतिक संबंध तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य से निपटने में दोनों पक्षों को अधिक सक्षम बनाएंगे और समग्र एशिया में शांति एवं स्थिरता में योगदान देंगे। फिलीपींस की अध्यक्षता में 'नेविगेटिंग द फ्यूचर' (भविष्य को दिशा देना) विषय के तहत आयोजित होने वाला 21वां पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन एक अनूठा मंच है, जहां आसियान देशों और आठ संवाद साझेदार देशों के शीर्ष नेता अनौपचारिक माहौल में वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों और साझा चिंता के मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हैं।

उत्तर प्रदेश में ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने किया गठबंधन का ऐलान, सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के बैनर तले लड़ेंगे विधानसभा चुनाव



लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आज़ाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद ने चुनाव गठबंधन कर लिया है। उन्होंने इस गठबंधन का नाम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा रखा है। इसी मोर्चा के तहत उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और चंद्रशेखर मुख्यमंत्री चेहरा होंगे।

गुरुवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दोनों दलों के इन नेताओं ने संयुक्त पत्रकार वार्ता कर इस नए चुनावी गठबंधन की घोषणा की है। दोनों नेताओं एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी और चंद्रशेखर ने बताया कि यह नया मोर्चा उत्तर प्रदेश में सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य दलित और मुस्लिम वोटों को एक मंच पर लाने के साथ-साथ युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की आवाज़ उठाना है। इस मौके पर आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर ने प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यहां कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। दलित व कमजोर वर्ग के लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने एनकाउंटर पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इसकी जांच की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश कमजोर, अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा व सम्मान बनाए रखने की है। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से सांसद आसपा नेता चंद्रशेखर ने कहा कि सपा और कांग्रेस भी अगर भाजपा को हराना चाहें तो हम उनके साथ हैं। हम उनके साथ मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने 26 नवंबर को रमाबाई आंबेडकर मैदान लखनऊ में रैली करने की घोषणा की है। साथ ही कहा कि गठबंधन प्रदेश की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। इस मौके पर एआईएमआईएम के प्रमुख ओवैसी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि चंद्रशेखर मोर्चे के मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे।

मुनक नहर पर 11 किमी लंबे छठ घाट का उद्घाटन, पूर्वांचल समाज को मिली बड़ी सौगात

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को उत्तरी दिल्ली स्थित मुनक नहर के दोनों किनारों पर विकसित 11 किलोमीटर लंबे छठ घाट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। छठ महापर्व से पहले दिल्ली सरकार की ओर से पूर्वांचल समाज और छठ व्रतियों को यह बड़ी सौगात दी गई है। इस घाट के शुरू होने से श्रद्धालु बेहतर और व्यवस्थित सुविधाओं के बीच छठ पूजा कर सकेंगे।



करीब 115.29 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जा रही इस परियोजना के तहत मुनक नहर के दोनों ओर लगभग 11 किलोमीटर लंबे क्षेत्र का पुनर्विकास किया जा रहा है। इसमें छठ घाट निर्माण के साथ सर्विस रोड, पुलों का निर्माण, सड़क चौड़ीकरण और नहर का सौंदर्यीकरण सहित सात प्रमुख विकास कार्य शामिल हैं। घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सीढ़ियां, प्रकाश व्यवस्था, पार्क और अन्य जनसुविधाएं भी विकसित की गई हैं। यहां छठ पूजा के अलावा दुर्गा पूजा और गणेश पूजा जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ने कहा कि छठ महापर्व से ठीक पहले दिल्ली सरकार ने छठ व्रतियों और पूर्वांचल समाज को बड़ी सौगात दी है। यह घाट केवल धार्मिक आयोजन का केंद्र नहीं, बल्कि आस्था, पवित्रता, अनुशासन और सामाजिक एकता का प्रतीक है। छठ पर्व में अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। यह पर्व समाज में समानता और सामूहिकता की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल और बिहार के लोग अपने श्रम एवं समर्पण से देश के विभिन्न राज्यों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। दिल्ली सरकार ने मुनक नहर पर छठ घाट विकसित कर उनकी आस्था, पूजा-पद्धति और सांस्कृतिक पहचान को सम्मान दिया है। अब पूर्वांचल समाज के लोग पूरे सम्मान और सुविधाओं के साथ छठ महापर्व मना सकेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मुनक नहर का यह क्षेत्र वर्षों से उपेक्षित था और यहां बेहतर सुविधाओं से युक्त छठ घाट विकसित करने की लंबे समय से मांग की जा रही थी। भाजपा सरकार बनने के बाद इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में दिल्ली के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 115 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस परियोजना में श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस बार दिल्ली में छठ महापर्व का आयोजन पिछले वर्ष से भी अधिक भव्य और दिव्य होगा। उन्होंने कहा कि वह स्वयं विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं के साथ पर्व मनाएंगी और सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करेंगी। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि मुनक नहर पर 11 किलोमीटर लंबे छठ घाट का विकास दिल्ली के बुनियादी ढांचे के साथ सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। यह पूर्वांचल समाज की आस्था और भावनाओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। अब छठ व्रती माताएं और बहनें पूरे सम्मान, सुविधा और गरिमा के साथ छठी मैया को अर्घ्य अर्पित कर सकेंगी। यह स्थल पूरे वर्ष सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि मुनक नहर पर विकसित यह 11 किलोमीटर लंबा घाट दिल्ली का सबसे लंबा छठ घाट है। नहर के किनारे विकसित होने वाला यह देश में अपनी तरह का पहला घाट है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचली समाज ने अपनी मेहनत और पसीने से दिल्ली के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे में छठ व्रतियों को सम्मान और गरिमा के साथ पूजा करने की सुविधा मिलना उनका अधिकार है।

एमसीडी के सात अस्पतालों में पीपीपी मॉडल पर स्थापित होंगे डायलिसिस सेंटर, आयुष्मान भारत के पात्र लाभार्थियों को मिलेगी कैशलेस सुविधा

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के निगम के सात अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर डायलिसिस सेंटर स्थापित किए जाएंगे। निजी एजेंसी के साथ शुरुआती अनुबंध 10 वर्ष का होगा। एमसीडी की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने गुरुवार को विज्ञप्ति में बताया कि दिल्ली नगर निगम अपने अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करते हुए किडनी के मरीजों को बड़ी राहत देने की तैयारी कर रहा है। निगम के सात अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर डायलिसिस सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इससे मरीजों को अपने नजदीकी निगम अस्पतालों में डायलिसिस की सुविधा मिल सकेगी। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के पात्र लाभार्थियों को निर्धारित प्रावधानों के तहत कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

सत्या शर्मा ने कहा कि किडनी की बीमारी से पीड़ित मरीजों को नियमित रूप से डायलिसिस कराना पड़ता है। निजी अस्पतालों में एक बार डायलिसिस कराने पर करीब तीन हजार से 3500 रुपये तक खर्च होते हैं। सप्ताह में दो से तीन बार डायलिसिस कराने वाले मरीजों और उनके परिवारों पर यह खर्च भारी आर्थिक



बोझ बन जाता है। निगम का प्रयास है कि ऐसे मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में कम दरों पर बेहतर उपचार का विकल्प उपलब्ध कराया जाए। इससे आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों को विशेष राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों में डायलिसिस केंद्र स्थापित होने से मरीजों को इलाज के लिए दूर-दराज के अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। नियमित उपचार की जरूरत वाले मरीजों का समय और परिवहन पर होने वाला खर्च भी बचेगा। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को कैशलेस सुविधा मिलने से पात्र परिवारों को इलाज के खर्च की चिंता से भी राहत मिलेगी।

नॉर्थ कैंपस में औषधीय पौधों की पहचान और संरक्षण के लिए सीसीआरएएस और दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच समझौता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में मौजूद औषधीय पौधों की विविधता की पहचान, दस्तावेजीकरण और संरक्षण के लिए केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) और दिल्ली विश्वविद्यालय ने हाथ मिलाया है। दोनों संस्थानों ने इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत विश्वविद्यालय के 250 से 300 एकड़ क्षेत्र में आयुर्वेद में वर्णित औषधीय महत्व वाले पौधों की पहचान कर उनका व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इस समझौते पर सीसीआरएएस के महानिदेशक प्रो. (वैद्य) रबिनारायण आचार्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता ने कुलपति कार्यालय में हस्ताक्षर किए। परियोजना का उद्देश्य नॉर्थ कैंपस की समृद्ध वनस्पति संपदा का वैज्ञानिक अध्ययन कर औषधीय महत्व वाली पादप प्रजातियों का दस्तावेजीकरण और संरक्षण करना है। परियोजना के तहत परिसर में व्यापक क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया जाएगा। इसमें औषधीय पौधों की प्रजातियों की पहचान, उनके नमूनों का संग्रह और हर्बेरियम तैयार करना शामिल है। साथ ही पौधों के पास क्यूआर कोड युक्त नाम-पट्टिकाएं लगाई जाएंगी, जिन्हें स्कैन कर संबंधित पौधे और उसके औषधीय महत्व की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

एमसीडी ने पूर्वी जिले में वायु प्रदूषण नियंत्रण उपायों की समीक्षा की

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पूर्वी जिले में वायु प्रदूषण नियंत्रण उपायों के क्रियान्वयन एवं उनकी प्रभावशीलता का जायजा लेने के लिए वायु प्रदूषण नियंत्रण के नोडल अधिकारी और आईएएस वी.के. बिधूड़ी ने गुरुवार को कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज स्थित वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र तथा उसके आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन के सामने स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग के हिस्से का जायजा लिया गया। इस दौरान एमसीडी की संयुक्त प्रवर्तन टीम की कार्यप्रणाली तथा यातायात प्रबंधन व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

निरीक्षण में मुख्य रूप से धूल नियंत्रण के उपायों, मिस्ट सिस्टम की कार्यशीलता एवं रखरखाव, सड़क की धूल के प्रबंधन, सार्वजनिक परिसरों की स्वच्छता तथा कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। निरीक्षण के दौरान मिस्ट सिस्टम के संचालन, रेलवे परिसर में धूल



नियंत्रण के उपायों तथा कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण में कुछ कमियां पाई गईं। इसके अतिरिक्त रेलवे लाइन के किनारे कच्चे एवं बिना पक्के रास्तों की स्थिति तथा डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं उसके परिसर के रखरखाव का भी जायजा लिया गया। वी.के. बिधूड़ी ने सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ निरंतर एवं प्रभावी प्रयास करने पर बल दिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने, आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा प्रदूषण नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन ने पूर्वी जिले में वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय, जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा जमीनी स्तर पर धूल प्रदूषण को नियंत्रित कर वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान एमसीडी के उपायुक्त, पूर्वी जोन सहित दिल्ली यातायात पुलिस, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, रेलवे तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल खड़े करने वाले गंगा, यमुना और छठी मैया की महिमा को क्या समझेंगे: नितिन नवीन



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय था, जब भारतीय सनातन परंपराओं और संस्कृति पर सवाल उठाए जाते थे। यहां तक कि कुछ लोगों ने प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर भी सवाल खड़े किए। ऐसे लोग गंगा मैया, यमुना मैया और छठी मैया की महिमा को क्या समझेंगे। उनके लिए ये महज नदी का जल और पोखर हो सकते हैं, लेकिन हमारे लिए ये आस्था, पूजा और आराधना का विषय हैं। गुरुवार को भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन मुनक नहर के दोनों किनारों पर 11 किलोमीटर लंबे भव्य छठ घाट का उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ दिल्ली के मंत्री मौजूद रहे। इस दौरान सिंगलपुर रोड चौड़ीकरण कार्य भी दिल्लीवासियों को समर्पित किया गया। इस अवसर पर नितिन नवीन ने कहा कि यह दिल्ली के पूर्वांचली समाज के लिए बड़ी सौगात है। वर्षों से लंबित मांग को पूरा करते हुए दिल्ली सरकार ने छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस वर्ष भी छठ महापर्व के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं, ताकि प्रत्येक परिवार श्रद्धा, सम्मान और सुविधा के साथ पर्व मना सके। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व प्रकृति की उपासना का पर्व है। इसमें भगवान सूर्य की आराधना करते हुए डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व अनुशासित जीवन जीने की कला सिखाता है और पूरे वर्ष ऊर्जा एवं शक्ति प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि छठ पूजा शुद्धता, पवित्रता और सामूहिकता का प्रतीक है। इस दौरान समाज के सभी भेदभाव और विभाजन समाप्त हो जाते हैं तथा आपसी सद्भाव और एकता की भावना मजबूत होती है। इस पर्व में ऊंच-नीच का कोई भेदभाव नहीं होता। यह परिवार और समाज को एक सूत्र में बांधने वाली अनूठी परंपरा है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा भाव से काम करता है। भाजपा के कार्यकर्ता समाज के हर वर्ग के साथ खड़े रहते हैं और सभी के कल्याण के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें बेहद खुशी हो रही है। उनकी भी यहां आने की इच्छा थी। उन्हें विश्वास था कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी और पूर्वांचल के लोगों को भाजपा से जुड़ने से कोई नहीं रोक पाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार और पूर्वांचल के लोग देश के अलग-अलग राज्यों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

पंजाबी बाग प्रदूषण हॉटस्पॉट का नोडल सचिव ने किया निरीक्षण, रेलवे सीमेंट साइडिंग यार्ड में आवाजाही पर लगाई रोक

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के नोडल सचिव रूपेश कुमार ठाकुर ने गुरुवार को पंजाबी बाग स्थित वायु प्रदूषण हॉटस्पॉट का निरीक्षण कर प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने रेलवे सीमेंट साइडिंग यार्ड में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुपालन का जायजा लिया और संबंधित विभागों को प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि नोडल सचिव ने 28 अक्टूबर को किए गए पिछले निरीक्षण के दौरान रेलवे सीमेंट साइडिंग यार्ड से उड़ने वाली धूल के कारण हो रहे प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए यार्ड को सील करने सहित कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की स्थिति जानने के लिए उन्होंने गुरुवार को दोबारा संबंधित स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रेलवे प्रशासन ने यार्ड में बैरिकेडिंग कर प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। इसके अलावा रेलवे सुरक्षा बल की एक चौकी स्थापित करने के साथ जवानों की तैनाती भी की गई है, ताकि परिसर में किसी भी प्रकार की अनधिकृत आवाजाही और गतिविधियों को रोका जा सके। नोडल सचिव ने इन व्यवस्थाओं को धूल प्रदूषण पर नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। ठाकुर ने पंजाबी बाग हॉटस्पॉट के अलावा अन्य स्थानों का



भी निरीक्षण किया। इस दौरान वाहनों से होने वाले उत्सर्जन, सड़कों पर उड़ने वाली धूल, निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों, कचरे के जमाव तथा प्रदूषण के अन्य स्थानीय स्रोतों की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के बाद दिल्ली नगर निगम के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें अधिकारियों ने हॉटस्पॉट की मौजूदा स्थिति, विभिन्न विभागों की ओर से किए गए कार्यों और आगे प्रस्तावित सुधारात्मक उपायों की जानकारी दी। नोडल सचिव ने सभी संबंधित विभागों को प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्त एवं निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित करने, आपसी समन्वय मजबूत बनाने और चिह्नित प्रदूषण स्रोतों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी आवश्यकता हो, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। वर्तमान प्रदूषण सीजन में वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट को देखते हुए सभी विभाग सतर्क और सक्रिय रहें। निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक के दौरान दिल्ली नगर निगम के पश्चिमी क्षेत्र के उपायुक्त कर्नल विनोद अत्री, सहायक आयुक्त स्वप्निल सिंह ठाकुर सहित दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, दिल्ली जल बोर्ड और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सैम पित्रोदा के बयान पर भाजपा का वार, कांग्रेस को बताया भगवान श्रीराम विरोधी

नई दिल्ली। सैम पित्रोदा के 1984 के सिख नरसंहार और भगवान श्रीराम व हनुमान जी के संदर्भ में दिए गए बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। राज्यसभा सांसद और भाजपा कार्यालय प्रभारी तरुण चुग ने कांग्रेस की विचारधारा पर सवाल उठाते हुए पार्टी को राम विरोधी और असंवेदनशील बताया।

चुग ने कहा कि 1984 की हिंसा केवल दंगों का मामला नहीं बल्कि भारतीय इतिहास का एक बेहद दर्दनाक अध्याय है। इस हिंसा में हजारों परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया। पीड़ित परिवार आज भी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। गुरुवार को एक्स पर साझा किए अपने बयान में तरुण चुग ने कहा कि राहुल गांधी के राजनीतिक मार्गदर्शक और कांग्रेस के विदेश मामलों के प्रमुख चेहरों में से एक सैम पित्रोदा ने एक बार फिर कांग्रेस की गहरी असंवेदनशीलता और वैचारिक अहंकार को उजागर किया है। अपने हालिया इंटरव्यू में 1984 के सिख नरसंहार से जुड़े सवालों को टालते हुए पित्रोदा देश को यह कहकर आगे बढ़ने की सलाह देते हैं कि इस घटना को हुए 40 साल हो चुके हैं। इतना ही नहीं, वे यह सवाल भी उठाते हैं कि हमें भगवान श्रीराम के समय की घटनाओं पर चर्चा क्यों करनी चाहिए या हनुमान जी ने पर्वत क्यों उठाया था, इस पर बात क्यों होनी चाहिए? इस तरह की टिप्पणियां कांग्रेस की सोच के असंवेदनशील पहलुओं को उजागर करती हैं। उन्होंने कहा कि 1984 में भारत के 50 से अधिक शहरों में सिखों का कत्लेआम किया गया था। पुरुषों को घरों से घसीटकर बाहर निकाला गया, उनके गले में जलते हुए टायर डालकर उन्हें जिंदा जला दिया गया। महिलाओं ने अपने पति खोए, बच्चे अनाथ हुए, घर और कारोबार तबाह कर दिए गए और अनगिनत परिवारों की जिंदगी बर्बाद हो गई। आज भी कई पीढ़ियां उस दर्द और त्रासदी का बोझ उठा रही हैं। इसके बावजूद कांग्रेस को इन पीड़ित परिवारों से यह कहने का साहस है कि अब आगे बढ़ जाइए।

दिल्ली के विधायकों के वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण का पहला चरण शुरू, अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता हुए शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों के प्रभावी संचालन के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल आवश्यक है। समय पर किए गए चिकित्सकीय परीक्षण न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं कल्याण की रक्षा करते हैं, बल्कि सार्वजनिक सेवा की निरंतरता सुनिश्चित करने में भी सहायक होते हैं। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता गुरुवार को संत परमानंद अस्पताल, कश्मीरी गेट में दिल्ली विधानसभा के वर्तमान सदस्यों के वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण के पहले चरण में शामिल हुए। यह पहल राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की मौजूदा स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आयोजित प्रक्रिया 12 नवंबर से प्रारंभ हुई है और 19 नवंबर तक जारी रहेगी। इस कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई है कि निर्धारित अवधि के दौरान प्रतिदिन दस विधायकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। पहले दिन स्वास्थ्य परीक्षण कराने वाले सदस्यों में अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता तथा विधायक अजय महावर, सूर्य प्रकाश खत्री और संजीव झा शामिल हुए। पहले दिन सदस्यों की सहभागिता के साथ इस निर्धारित कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसका उद्देश्य जनप्रतिनिधियों के नियमित एवं समयबद्ध स्वास्थ्य परीक्षण को सुनिश्चित करना है। गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों में निवारक स्वास्थ्य देखभाल का विशेष महत्व है,



क्योंकि यहां कामकाज की निरंतरता, विधायी जिम्मेदारियां और निर्णय लेने की प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच से ऐसी बीमारियों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का शुरुआती चरण में पता लगाया जा सकता है, जो आगे चलकर गंभीर रूप ले सकती हैं और जिनके इलाज में लंबा समय लग सकता है। समय पर बीमारी की पहचान और उचित चिकित्सा मिलने से अचानक होने वाली स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों और संस्थानों के कामकाज में आने वाली रुकावटों को कम किया जा सकता है। अध्यक्ष ने कहा कि स्वास्थ्य परीक्षण की एक व्यवस्थित व्यवस्था प्रशासनिक अनुशासन और सार्वजनिक जिम्मेदारियां निभाने वाले लोगों के स्वास्थ्य के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा अधिसूचित योजना के अंतर्गत मौजूदा कार्यालय ज्ञापनों एवं विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप नियमित रूप से आयोजित की जाने वाली प्रक्रिया है। गुप्ता ने स्पष्ट किया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत कोई नया अधिकार, रियायत अथवा विशेष सुविधा प्रदान नहीं की जा रही है। इसमें निर्धारित पात्रता संबंधी सभी शर्तें, प्रक्रियाएं और वित्तीय सीमाएं पूर्ववत लागू रहेंगी। विधानसभा अध्यक्ष ने आगे कहा कि इस पहल की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई है कि दिल्ली विधानसभा के प्रत्येक वर्तमान सदस्य को, आयु की परवाह किए बिना, वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण के दायरे में लाया जा सके। इसमें 40 वर्ष से कम आयु के विधायक भी शामिल हैं। जहां मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत सरकारी अधिकारियों के वार्षिक मूल्यांकन एवं कार्य-निष्पादन की समीक्षा का प्रावधान है, वहीं विधायकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण की यह व्यवस्था राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की प्रचलित स्वास्थ्य योजना के दायरे में रहते हुए निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति एक अलग एवं समान दृष्टिकोण के साथ लागू की गई है। गुप्ता ने कहा कि समय पर चिकित्सकीय परीक्षण में आयु बाधा नहीं बननी चाहिए, विशेषकर तब, जब स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की शुरुआती पहचान दीर्घकालिक स्वास्थ्य एवं कल्याण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

महापौर ने भलस्वा लैंडफिल साइट का किया निरीक्षण, अबतक लगभग 1 करोड़ 2 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने गुरुवार को भलस्वा लैंडफिल साइट का निरीक्षण कर वहां चल रहे बायो माइनिंग एवं कचरे के निस्तारण कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर जमा लीगेसी कचरे में से एक करोड़ 2 लाख मीट्रिक टन लीगेसी कचरे का निस्तारण कर दिया गया है और अभी भलस्वा लैंडफिल साइट पर लगभग 23-25 लाख मीट्रिक टन लीगेसी कचरा बचा है जिसे तय समय सीमा में निस्तारित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर कचरा निस्तारण के लिए नई एजेंसी से अनुबंध किया गया है और अधिकारियों को कचरा निस्तारण की गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कचरा निस्तारण कार्य की प्रगति रिपोर्ट की प्रतिदिन समीक्षा की जाएगी। प्रवेश वाही ने बताया कि केंद्र और दिल्ली सरकार के सहयोग से भलस्वा लैंडफिल साइट पर जमा लीगेसी कचरे का निस्तारण कर लगभग 30 प्रतिशत एवं ओखला लैंडफिल साइट पर 60 प्रतिशत भूमि पुनः प्राप्त कर ली गई है जिसके उपयोग की योजनाओं के ऊपर कार्य चल रहा है। महापौर ने कहा कि नए कचरे के निस्तारण कार्य में भी तेजी लाई जाएगी। कचरे के निस्तारण के लिए मशीनों की संख्या बढ़ाई जाएगी एवं कचरे के निस्तारण के लिए वज्र नाम की अत्याधुनिक मशीन को भी लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट के कचरे के पहाड़ को तय समय में खत्म कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त संजीव खिरवार, अतिरिक्त आयुक्त संजीव कुमार मित्तल एवं प्रसन्ना रामा स्वामी, उत्तरी क्षेत्र के उपायुक्त सचिन गुप्ता, बाहरी उत्तर क्षेत्र के उपायुक्त राघवेंद्र मीणा, प्रमुख अभियंता के.के.शर्मा सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एक नजर

मुठभेड़ के बाद बदमाश गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद में ऊंचा गांव में क्राइम ब्रांच और एक बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी है। घायल आरोपी की पहचान विमल निवासी सुभाष कॉलोनी के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से एक पिस्टल, तीन कारतूस, दो खाली खोल और चोरी की एक बाइक बरामद की है। आरोपी को इलाज के लिए सिविल अस्पताल फरीदाबाद में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि बुधवार देर रात ऊंचा गांव क्राइम ब्रांच की टीम थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में गश्त पर थी। जहां पर चोरी की बाइक से जाते हुए विमल को रोकने की कोशिश की, तो उसने पुलिसकर्मियों पर दो राउंड फायर कर दिए। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के दाहिने पैर में गोली लग गई। पुलिस ने उसे मौके पर ही काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और दो खाली खोल बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी विमल का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है। उसके खिलाफ चोरी के करीब 20 मामले दर्ज हैं। वह थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में हुई चोरी की 4 से 5 वारदातों में भी वांछित था। फिलहाल पुलिस आरोपी का सिविल अस्पताल में इलाज करा रही है। उसकी हालत सामान्य है। पुलिस उससे पूछताछ कर चोरी की अन्य वारदातों और उसके साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

17 वर्षीय छात्र ने गोली मारकर की आत्महत्या

फरीदाबाद। फरीदाबाद के डबुआ थाना क्षेत्र के पाली गांव में 12वीं कक्षा के छात्र ने खुद को देसी कट्टे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। अभी तक आत्महत्या के कारणों का खुलासा नही हुआ है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक के पिता ने बताया कि उनका 17 वर्षीय बेटा 12वीं कक्षा की ओपन से पढ़ाई कर रहा था। पढ़ाई के लिए वह कोचिंग भी लेता था। बुधवार शाम उनकी पत्नी और बड़ा बेटा घेर में चले गए थे। उस समय छात्र घर पर अकेला था। मृतक के पिता ने बताया कि शाम को कुछ समय बाद जब उनका बड़ा बेटा लौटा तो उसे अपना छोटा भाई कहीं दिखाई नहीं दिया। तलाश करते हुए वह तीसरी मंजिल पर पहुंचा और खिडक़ी से बाथरूम में झांककर देखा तो छात्र खून से लथपथ पड़ा था। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग इक्कठा हो गए। इसके बाद गैलरी के दरवाजे की कुंडी तोडक़र अंदर देखा गया। बाथरूम में छात्र के पास कट्टा पड़ा हुआ था। सूचना मिलने पर पाली चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की वीडियोग्राफी कराई। पुलिस ने एफएसएल और क्राइम ब्रांच की टीम को मौके पर बुलाया। पिता ने किसी पर शक जाहिर नहीं किया है। पुलिस ने इस मामले में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि छात्र के पास कट्टा कहां से आया और उसने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया।

फरीदाबाद सरकार ने गौशाला के लिए दिया 37 लाख का चेक

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ से विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने गुरुवार को छायंसा गौशाला (दा पिंजौरपोल सोसायटी), फरीदाबाद को हरियाणा सरकार की ओर से लगभग 37 लाख 85 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर एसडीएम मयंक भारद्वाज तथा गौशाला सोसायटी के पदाधिकारी अशोक शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा प्रदेश की गौशालाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि गौवंश की बेहतर देखभाल, चारे और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा गौ सेवा आयोग के माध्यम से गौशालाओं को सहायता राशि उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार गौसेवा और गौवंश संरक्षण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बागपत : दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे, 17 गिरफ्तार

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के थाना दोघट पुलिस ने कस्बा दोघट में दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को 17 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। एक बाल अपचारी के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने घटनास्थल से घटना में प्रयुक्त चार ईंट के टुकड़े और अभियुक्तों की निशानदेही पर चार लाठी-डंडे बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 11 नवंबर को थाना दोघट को सूचना मिली कि पट्टी तिरोसिया में दो पक्षों के बीच लाठी-डंडों और पत्थरों से जमकर मारपीट हो रही है। प्रथम पक्ष से अनुज, राजीव, विनोद, शिवकुमार, सुरेन्द्र, पप्पू, हरेन्द्र, अनिल, मांगेराम, शोकेन्द्र, एक बाल अपचारी, छह महिलाएं और 4-5 अज्ञात लोग शामिल थे। वहीं द्वितीय पक्ष से ओमवीर, दीपक, किशनपाल, सावन, नन्दी, शिवम, विक्की, अक्षय, मोनू, सोनू, सचिन, पवन, मोहित, अजय, मुकेश, एक महिला और 8-10 अज्ञात लोग थे। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जान से मारने की नीयत से हमला किया और जान से मारने की धमकी दी। इससे मोहल्ले में भय और भगदड़ का माहौल बन गया।

4 साल तक मांगी थीं मन्नतें, पैदा होने के 9 माह बाद पिता ने मार डाला, गाजियाबाद हत्याकांड में बड़ा खुलासा

मसूरी (गाजियाबाद)। गाजियाबाद में वेव सिटी थाना क्षेत्र के बयाना गांव में 9 माह के मासूम का शव कब्र से निकालने के बाद किए गए पोस्टमॉर्टम की बुधवार को रिपोर्ट जारी हुई। रिपोर्ट में पता चला कि गला दबाकर मासूम की हत्या की गई थी। यह हत्या उसके पिता ने की थी।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि रोने की वजह से पिता ने उसकी हत्या कर दी। यह बच्चा शादी के चार वर्ष बाद पैदा हुआ था। दोनों ने बच्चे के लिए चार साल तक मन्नतें मांगी थीं। सोमवार को पुलिस की पीआरवी को सूचना मिली थी कि बयाना गांव में 9 माह बच्चे की मौत हो गई है। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची उससे पहले ही परिजनों ने बच्चे के शव को दफना भी दिया था। बच्चे की मां प्रियंका ने इस पर चुप्पी साधने के बजाय अपने ही पति अभिषेक पर हत्या का शक जताया। उधर,



मां ने पुलिस को लिखित शिकायत दी कि उसके पति अभिषेक ने रो रहे मासूम बच्चे से परेशान होकर बेरहमी से उसका गला घोंटकर हत्या कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने मंगलवार को मजिस्ट्रेट की निगरानी में बच्चे के शव को कब्र से बाहर निकलवाया। इसके बाद शव के परीक्षण के लिए डॉक्टरों के एक पैनल का गठन किया गया। डॉक्टरों ने वीडियोग्राफी के पोस्टमॉर्टम किया। बुधवार को जारी हुई रिपोर्ट में बच्चे की मौत का कारण सामने आया। मासूम की मौत बीमारी से नहीं, बल्कि गला दबाकर की गई हत्या से हुई थी। शिकायत के बाद मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की लेकिन आरोपी झूठ बोलता रहा कि बच्चे की मौत बीमारी से हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट नहीं आने तक पुलिस ने सख्ती से पूछताछ नहीं की। लेकिन जब बुधवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई तो पुलिस ने आरोपी से सख्ती से पूछताछ की। एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि पिता अभिषेक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता अभिषेक ने अपनी पत्नी प्रियंका के आगे हाथ-पैर जोड़े थे कि वह इस बात की जानकारी किसी को न दे। पुलिस में शिकायत न करे। उसने पत्नी को बच्चे की मौत बीमारी से होने का विश्वास दिलाने की कोशिश की। आरोपी को उम्मीद थी कि शव को दफना देने के बाद उसका जुर्म हमेशा के लिए दफन हो जाएगा। मां प्रियंका उस वक्त हिम्मत न जुटाती और अपने पति के दबाव में आ जाती तो यह आरोपी बच जाता।

गरीबों के लिए यूनिवर्सिटी बनाना आजम खान की गलती: शिवपाल

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं जसवंतनगर से विधायक शिवपाल सिंह यादव गुरुवार को गाजियाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने डासना स्थित जिला कारागार में बंद वरिष्ठ सपा नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां से मुलाकात की। मुलाकात करने के बाद जेल से बाहर आए शिवपाल यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा। यादव ने कहा कि आजम खां को लगातार परेशान किया जा रहा है। मुझे लगता है कि ये झूठे केस हैं। उनकी एकमात्र गलती गरीब बच्चों के लिए यूनिवर्सिटी बनाना है। उन्होंने कहा कि चार बार मंत्री और दो बार सांसद रहने के बावजूद, जेल के बेसिक प्रोटोकॉल भी फॉलो नहीं किए जा रहे हैं। हमें न्याय के लिए न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। उनके परिवार को भी टारगेट किया जा रहा है। आजम खां समाजवादी पार्टी के साथ हैं, और उनके साथ हमारे रिश्ते बने रहेंगे। सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ हैं। हमें वर्ष 2027 में सरकार बनाने का पूरा भरोसा है। गौरतलब है कि रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय में कथित वित्तीय अनियमितताओं और धनशोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद 1 नवंबर को आजम खां को गाजियाबाद न्यायालय में पेश किया गया था। कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेज दिया था। शिवपाल यादव की आज हुई मुलाकात को सियासी लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। इस दौरान उन्होंने आजम खां का हालचाल जानने के साथ ही वर्तमान राजनीतिक हालात और पार्टी से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

गुरुग्राम: मारुति में अल्फा वर्ष 2036 के लिए कारों की कल्पना पर की गई डिजायनिंग

गुरुग्राम। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुजुकी) ने अपने फ्लैगशिप ऑटोमोटिव डिजाइन कॉम्पिटिशन डिजाइनेक्सथॉन आयोजित की। यह कंपनी का दूसरा एडिशन था। इसमें भारत और विदेश के 70 से ज्यादा बड़े डिजाइन इंस्टिट्यूट के 450 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी बेहतर सोच और विचारों को डिजाइन के रूप में ढालते हुए वर्ष 2036 के लिए गाड़ी की कल्पना को उकेरा। गुरुग्राम में कंपनी के इंडिया डिजाइन स्टूडियो में इसका ग्रैंड फिनाले आयोजित किया गया। इसमें टीम आईईडी टोरिनो विजेता रही। पहले व दूसरे रनर-अप नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, गांधीनगर की टीमें रहीं। टॉप तीन टीमों को नकद पुरस्कार और मारुति सुजुकी के इंडिया डिजाइन स्टूडियो में छह महीने की इंटर्नशिप का अवसर दिया गया है। चौथे से दसवें नंबर पर आने वाले फाइनलिस्ट को आगे इवैल्यूएशन के बाद इंटर्नशिप के मौकों के लिए माना जाएगा। स्टूडेंट्स को चैलेंज दिया गया कि एक ऐसी आइकॉनिक गाड़ी की कल्पना करें जिसे जेन-जेड और जेन अल्फा वर्ष 2036 में खरीदना चाहें। मारुति सुजुकी की डिजाइन स्टूडियो टीम द्वारा कई राउंड के इवैल्यूएशन और मेंटरशिप के बाद टॉप 10 टीमों ने गुरुग्राम में कंपनी के इंडिया डिजाइन स्टूडियो में हुए ग्रैंड फिनाले में 18 स्केल प्रोटोटाइप के जरिए अपने कॉन्सेप्ट पेश किए।

डिजाइनेक्सथॉन 2026 के बारे में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कस्टमर की उम्मीदें, लाइफस्टाइल और ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी बदल रही हैं। उनका मानना है कि युवा दिमाग, अपने नए नजरिए और अलग सोच के साथ मोबिलिटी के भविष्य को बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के तीसरे सबसे बड़े पैसेंजर व्हीकल मार्केट के तौर पर भारत में मोबिलिटी के भविष्य को बनाने के लिए बहुत सारे युवा टैलेंट और क्रिएटिव क्षमता रखते हैं। मारुति सुजुकी में हम इस टैलेंट को इंडस्ट्री से जोडऩे के लिए कमिटेड हैं। डिजाइनेक्सथॉन के जरिए हमारा मकसद ओपन इनोवेशन और सहयोग को बढ़ावा देना, उभरते हुए डिजाइनरों को आगे बढ़ाना और भारत में एक मजबूत डिजाइन इकोसिस्टम की नींव रखना है। उन्होंने जीतने वाली टीमों को उनके नए कॉन्सेप्ट, टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबिलिटी को एक साथ लाने के लिए बधाई दी। साथ ही सभी पार्टिसिपेंट्स की उनकी क्रिएटिविटी की सराहना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएनएच की आधारशिला रखी, कहा- देश-विदेश की कंपनियां यूपी में कर रहीं निवेश

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यमुना सिटी के सेक्टर-8 में 100 एकड़ मे 1220 करोड रुपये की लागत से बनने वाली सीएनएच कंपनी की आधारशिला लखनऊ से ऑनलाइन रखी। इस दौरान जेवर में आयोजित कार्यक्रम में गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर, दादरी के विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, सीएनएच इंडस्ट्रियल एनवी के सीईओ गेरिट मार्क्स और सीएनएच इंडिया रीजन के प्रेसिडेंट एवं एमडी नरेंद्र मित्तल, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक और अधिकारी मौजूद रहे। यमुना प्राधिकरण ने सीएनएच कंपनी को सेक्टर-8 में 100 एकड़ जमीन आवंटित की है। यहां कंपनी ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनरी का निर्माण करेगी। गुरुवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री ने इस कंपनी की वर्चुअल आधारशिला रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विश्वास प्रकट करने के लिए के मै सीएनएच के प्रबंधन का हृदय है आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह प्रोजेक्ट प्रदेश में कृषि क्षेत्र,



विकास और मॉडर्न मैन्युफैक्चरिंग को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से स्थानीय युवाओं को रोजगार और व्यापार का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश के नाम में ही उत्तर है, उसके सामने 2017 से पहले कई प्रश्न थे। पलायन का, उपेक्षा का, पिछड़ेपन का, पहचान का, अराजकता का। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रूल ऑफ माफिया के स्थान पर रूल आफ लॉ स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि अच्छी कानून व्यवस्था की वजह से उत्तर प्रदेश में निवेश बढा है।प्रदेश विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। अच्छी कानून व्यवस्था और उद्योग क्षेत्र को मिल रही बेहतरीन सुविधा के चलते देश- विदेश की कंपनियां लाइन लगाकर यहां पर निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख निवेश क्षेत्र के रूप में अपनी नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था स्थापित होने के पीछे केवल पुलिस भर्ती ही नहीं है, उनके आधुनिकरण के साथ-साथ अपराध और अपराधियों के प्रति सरकार का सख्त रूख एक प्रमुख कारण रहा है।

सूरजपुर में जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव का आयोजन, छह लोकनृत्य दलों को मिला पुरस्कार

सूरजपुर,एजेंसी। सूरजपुर के अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में गुरुवार को जिलास्तरीय उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोककला महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें जिले के सभी विकासखंडों से पहुंचे जनजातीय लोकनृत्य दलों ने पारंपरिक कर्मा और आदिवासी लोकनृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। मांदर और नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से जनजातीय संस्कृति और लोकपरंपराओं की जीवंत झलक पेश की।

महोत्सव में लोकवाद्यों की धुन और कलाकारों के सामूहिक नृत्य ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम में जनजातीय समाज के कलाकारों, समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही। आयोजन का उद्देश्य जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक लोककला और रीति-रिवाजों को प्रोत्साहित करना रहा। उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव की प्रतियोगिता में प्रेमनगर विकासखंड के ग्राम पंचायत बकालो के पारंपरिक कर्मा दल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सूरजपुर विकासखंड



के जय मां शीतला कर्मा दल को दूसरा और रामानुजनगर विकासखंड के ग्राम पंचायत अर्जुनपुर के आदिवासी लोक निरंजनी कर्मा दल को तीसरा स्थान मिला।

वहीं, शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोककला महोत्सव की प्रतियोगिता में रामानुजनगर विकासखंड के ग्राम पंचायत मांजा के ममता कर्मा दल ने प्रथम स्थान हासिल किया। ओड़गी विकासखंड के ग्राम पंचायत लांजित के उज्ज्वल कर्मा दल को दूसरा और भैयाथान विकासखंड के ग्राम पंचायत खोपा के देवपुत्र कर्मा दल को तीसरा स्थान मिला। विजेता दलों को पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त घनश्याम सिंह, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक आलोक भवाल, सहायक संचालक मत्स्य एम.एस. सोनवानी और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नवनियुक्त निगमायुक्त डॉ. पंकज ने लिया माता शीतला का आशीर्वाद

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के नवनियुक्त आयुक्त डॉ. पंकज ने गुरुवार को गुरुग्राम पहुंचते ही माता शीतला के दर्शन करके आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पूजा स्थल बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमित कुमार ने मंदिर पहुंचने पर उनका स्वागत किया। डॉ. पंकज ने माता शीतला के दरबार में प्रदेश और गुरुग्राम की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। माता के दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ उन्होंने अपनी नई जिम्मेदारी की शुरुआत की। माता शीतला मंदिर गुरुग्राम की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। डॉ. पंकज का मंदिर पहुंचना और माता का आशीर्वाद लेना उनकी गुरुग्राम में नई जिम्मेदारी की शुरुआत का एक विशेष अवसर रहा। मंदिर परिसर में डॉ. पंकज ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और माता के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। बता दें कि वर्ष 2020 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डॉ. पंकज ने गुरुवार को नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त का पदभार संभाला।

हिंडन घाट पर छठ पर्व के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा, 500 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात

साहिबाबाद। छठ पर्व पर हिंडन घाट की सुरक्षा तीन घेरों में की जाएगी। लोगों की सुरक्षा, अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए हिंडन घाट पर 500 से अधिक पुलिसकर्मियों तैनात रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था में महिला पुलिस कर्मियों को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील की है। डीसीपी ट्रांस हिंडन रिजुल ने बताया कि हिंडन घाट की सुरक्षा तीन घेरों में की जाएगी।

पहले घेरा में भीड़ को बैरिकेड लगाकर नियंत्रित किया जाएगा। जबकि दूसरी घेरा संदिग्धों को चकमा देने के लिए है। इस घेरे में पुलिस कर्मी सिविल ड्रेस में तैनात रहेंगे। पुलिस संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखकर अप्रिय घटनाओं पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। तीसरे घेरे में महिला पुलिस विंग की 150 पुलिस कर्मियों तैनात रहेंगी। महिला पुलिस कर्मी घाटों पर महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा करेंगी। यदि किसी महिला, युवती या किशोरी से अभद्रता, छेड़छाड़ की



शिकायत मिली है, तो महिला पुलिस कर्मी तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपित को दबोच कर थाने ले जाएगी। डीसीपी ने बताया कि हिंडन घाट के अलावा विभिन्न कालोनियों के स्थाई और अस्थायी घाटों पर पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। पुलिस अधिकारियों ने जनप्रतिनिधि, समाज सेवकों और सभी समाज के लोगों से सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की।

गुरुग्राम: सिधरावली में जिस व्यक्ति हत्या हुई, उस पर हत्या समेत आठ केस थे दर्ज

गुरुग्राम। जिला के गांव सिधरावली में 35 वर्षीय व्यक्ति दीपक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-40 की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, एक विदेशी पिस्टल, सात जिंदा कारतूस व एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने गुरुवार को बताया कि आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया था।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जतिन (उम्र-21 वर्ष) निवासी गांव सिधरावली जिला गुरुग्राम व मोनू उर्फ धोलिया (उम्र-27 वर्ष) निवासी गांव नांगल दरगू जिला महेंद्रगढ़ के रूप में हुई है। बता दें कि नौ नवंबर 2026 को थाना बिलासपुर, गुरुग्राम में सूचना मिली कि दीपक (उम्र-35 वर्ष) निवासी गांव सिधरावली, गुरुग्राम की गांव सिधरावली बस स्टैंड पर गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सूचना पाकर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची, जहां एक व्यक्ति कार की अगली सीट पर मृत अवस्था में मिला और उसको गोली लगी हुई थी। पुलिस टीम द्वारा सीन ऑफ क्राइम, फिंगरप्रिंट टीमों से घटनास्थल का निरीक्षण करवाया गया। मृतक के चाचा ने पुलिस को शिकायत में बताया कि उसका भतीजा दीपक आठ नवंबर 2026 की रात को अपनी कार लेकर कहीं गया था। सुबह करीब आठ बजे उन्हें सूचना मिली कि उसके भतीजे दीपक की सिधरावली बस स्टैंड पर किसी ने गोली मारकर हत्या कर दी है। जब उन्होंने जाकर देखा तो भतीजा मृत अवस्था में कार में पड़ा हुआ था और उसको गोली लगी हुई थी। इस शिकायत पर थाना बिलासपुर में केस किया गया। मृतक दीपक के आपराधिक रिकॉर्ड से पता चला है कि उसके खिलाफ हत्या के दो केस सहित हत्या करने का प्रयास, मारपीट, अवैध हथियार रखने इत्यादि के कुल आठ केस दर्ज हैं। इसमें से छह केस गुरुग्राम में हत्या, हत्या का प्रयास, लड़ाई-झगड़ा, शस्त्र अधिनियम, प्रिजन एक्ट के तहत तथा दो केस राजस्थान में हत्या करने और अवैध वसूली के संबंध में दर्ज हैं।

ठक-ठक गैंग के भगोड़े दो अंतरराज्यीय बदमाश गिरफ्तार

गुरुग्राम। स्थानीय पुलिस की अपराध शाखा मानेसर की टीम ने ठक-ठक गैंग के दो अंतरराज्यीय बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी 26 मामलों में भगोड़े घोषित थे। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने गुरुवार को बताया कि गुरुग्राम के चार और दिल्ली के आठ केस सहित चोरी के कुल 11 मामलों में भी फरार चल रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद जाकिर उर्फ बकरा निवासी संगम विहार दिल्ली व बबलू उर्फ दिनेश निवासी रिबई जिला महुवा, उत्तर-प्रदेश के रूप में हुई है। 29 अगस्त 2018 को एक व्यक्ति द्वारा कुतुब प्लाजा गुरुग्राम से एक कार के शीशे तोडक़र उसमें से लैपटॉप व अन्य सामान चोरी किया गया था। इस संबंध में थाना डीएलएफ फेज-1 गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया। आरोपियों मोहम्मद जाकिर और बबलू को अदालत के आदेशों की अवहेलना करने पर अदालत द्वारा भगोड़े घोषित किया गया। गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा मानेसर की पुलिस टीम ने दोनों भगोड़े अपराधियों को 11 नवंबर 2026 को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच से पता चला है कि दोनों अपराधियों को अदालत द्वारा 26 केसों में



भगोड़ा अपराधी घोषित किया हुआ था। दोनों आरोपी गुरुग्राम में चोरी के तीन तथा दिल्ली में चोरी करने के आठ केसों सहित 11 केसों में फरार चल रहे थे। पुलिस के अनुसार आरोपी एकांत में खड़ी गाडियों की रेकी करते थे। मौका पाकर उन गाडियों के शीशे तोडक़र गाड़ियों से सामान चोरी करने की वारदातों को अंजाम देते थे। ठक-ठक गैंग के सदस्य आमतौर पर भीड़भाड़ वाली जगहों, पार्किंग और रेड लाइट पर खड़ी गाडियों को निशाना बनाते थे।

पन्नू प्रकरण में समन से संप्रभुता तक उठे गंभीर सवाल

ललित गर्ग



अमेरिकी अदालत द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के दीवानी मुकदमे के सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल तथा अन्य भारतीय अधिकारियों को समन जारी करने की प्रक्रिया ने भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ''किसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता।'' अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बढ़ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं।

पन्नू लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों के लिए चर्चा में रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है और उसके संगठन सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे व्यक्ति द्वारा भारत के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिकी अदालत में दीवानी मुकदमा दायर करना स्वाभाविक रूप से भारत के लिए संवेदनशील विषय है। भारत की चिंता केवल आरोपों तक सीमित नहीं है; चिंता यह भी है कि विदेश में बैठा कोई भारत-विरोधी तत्व किसी विदेशी न्यायिक व्यवस्था को भारत के विरुद्ध राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न कर सके। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगाकृ''अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अमेरिकी सरकार की विदेश नीति एक ही बात नहीं हैं।'' यदि किसी व्यक्ति को अमेरिकी कानून के तहत मुकदमा दायर करने का अधिकार है, तो अदालत उस पर विचार कर सकती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं निकाला जा सकता कि अमेरिकी सरकार उन आरोपों से सहमत है। इसी प्रकार अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा किसी न्यायिक दस्तावेज को राजनयिक माध्यम से भारतीय दूतावास तक पहुंचाना अपने आप में आरोपों की पुष्टि नहीं करता। वह कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। फिर भी भारत की आपत्ति का महत्व कम नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ''कानूनी प्रक्रिया और राजनयिक मर्यादा दोनों साथ-साथ चलती हैं।'' किसी विदेशी सरकार या उसके वरिष्ठ अधिकारियों को न्यायिक दस्तावेज तामील कराने के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है। भारत का यह कहना उचित है कि विदेशी न्यायिक दस्तावेजों की तामील के लिए निर्धारित भारतीय केंद्रीय प्राधिकरण और विधिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि इस प्रक्रिया को दरकिनार करने की कोशिश होती है, तो वह केवल तकनीकी भूल नहीं रह जाती, बल्कि संप्रभुता और पारस्परिक सम्मान का प्रश्न बन जाती है। इस पूरे विवाद का दूसरा बड़ा पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा है। अजीत डोभाल भारत की सुरक्षा नीति के अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी हैं। किसी विदेशी अदालत में उनके विरुद्ध व्यक्तिगत रूप से लगाए गए आरोपों को केवल सामान्य दीवानी विवाद मानना भारत के लिए कठिन होगा। सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज और निर्णय अनेक बार गोपनीय सूचनाओं तथा राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में भारत को कानूनी जवाब देने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलताओं की भी रक्षा करनी होगी।

हालांकि भारत को इस मामले में भावनात्मक प्रतिक्रिया से बचना चाहिए। ''दृढ़ता और आक्रामकता में अंतर है।'' भारत की शक्ति उसकी संस्थागत स्थिरता, संवैधानिक व्यवस्था और कूटनीतिक संयम में भी दिखाई देती है। इसलिए उचित रास्ता यही होगा कि भारत अमेरिकी न्यायालय के समक्ष क्षेत्राधिकार, संप्रभु प्रतिरक्षा और अन्य लागू कानूनी आधारों पर अपना पक्ष मजबूती से रखे तथा साथ ही अमेरिकी प्रशासन के साथ स्पष्ट राजनयिक संवाद जारी रखे। यह घटनाक्रम कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद की याद भी दिलाता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में सक्रिय भारत-विरोधी अलगाववादी समूहों ने वहां की लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों का उपयोग भारत विरोधी प्रचार के लिए किया है। लोकतांत्रिक देशों को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन ''लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का अर्थ किसी दूसरे देश की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करना नहीं हो सकता। भारत-अमेरिका संबंध आज रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, हिंद-प्रशांत रणनीति और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं।

ऐसे में पन्नू प्रकरण को दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर हावी होने देना किसी के हित में नहीं होगा। व्यापार और टैरिफ को लेकर पहले से मतभेद हैं; यदि उनके ऊपर इस प्रकार के संवेदनशील न्यायिक और आतंकवाद संबंधी विवाद भी लगातार जुड़ते रहे, तो संबंधों में अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि ''भारत कोई ऐसा देश नहीं है जिसे दबाव की भाषा से अपनी नीतियां बदलने के लिए विवश किया जा सके।'' भारत आतंकवाद और अलगाववाद के प्रश्न पर अपने राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। साथ ही भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि वह अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करता है, लेकिन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के सम्मान पर कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिका के लिए भी यह आत्ममंथन का अवसर है। यदि वह भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी आतंकवादी या अलगाववादी गतिविधियों के लिए न हो। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है, जब आतंकवाद की परिभाषा राजनीतिक सुविधा के अनुसार न बदली जाए। पन्नू प्रकरण का समाधान अदालतों और कूटनीतिकृदोनों स्तरों पर तलाशना होगा। भारत को न तो अनावश्यक रूप से उत्तेजित होने की जरूरत है और न ही किसी दबाव में आने की। उसे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट, दृढ़ और मर्यादित रुख अपनाना चाहिए। अमेरिका के लिए संदेश सीधा है-भारत मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता की कीमत पर नहीं; सहयोग चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करके नहीं; और कूटनीतिक सम्मान देता है, तो बदले में समान सम्मान की अपेक्षा भी रखता है।'' पन्नू जैसे तत्वों के आरोपों को भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने का अवसर देना दोनों देशों के दीर्घकालीन हित में नहीं होगा। समय आ गया है कि वाशिंगटन कानून की प्रक्रिया और राजनीति के बीच की महीन रेखा को समझे तथा भारत की संवेदनशीलता और संप्रभु अधिकारों का पूरा सम्मान करे।

सनातन परंपरा में सूर्य को पंचदेवों में से एक माना गया है, जो प्रत्यक्ष रूप से संपूर्ण सृष्टि को ऊर्जा, प्रकाश और जीवन प्रदान करते हैं। छठ पूजा में सूर्य देव के साथ-साथ उनकी शक्तियों की अधिष्ठात्री देवी, जिन्हें लोक भाषा में छठी मैया कहा जाता है, की आराधना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया ब्रह्मा जी की मानस पुत्री और देवसेना हैं जिन्हें प्रकृति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण षष्ठी देवी कहा गया है। वे बच्चों की रक्षा करने वाली और दीर्घायु प्रदान करने वाली देवी हैं। धार्मिक कथाओं में इसका संबंध रामायण और महाभारत काल से भी जोड़ा जाता है। माना जाता है कि लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर भगवान श्रीराम और माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य देव की उपासना की थी। वहीं, महाभारत काल में सूर्यपुत्र कर्ण द्वारा नदी में खड़े होकर सूर्य की पूजा करने और द्रौपदी द्वारा पांडवों के खोए हुए राजपाट को वापस पाने के लिए यह व्रत रखने का उल्लेख मिलता है। वैज्ञानिक और धार्मिक दृष्टिकोण का यह संगम इस पर्व को अनुपम बनाता है, जहां ढलते हुए सूर्य और उगते हुए सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का आध्यात्मिक संदेश है कि जीवन में अवसान और उदय दोनों ही अपरिहार्य हैं और जो डूब रहा है उसका उदय होना भी निश्चित है। लोक संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति छठ पर्व के दौरान गाए जाने वाले पारंपरिक लोक गीत इसके सांस्कृतिक महत्व को और अधिक समृद्ध करते हैं। कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए- जैसे कर्णप्रिय मधुर गीत उस सामूहिक श्रम, समर्पण और पवित्रता की कहानी कहते हैं जो इस व्रत का मूल आधार है। इन गीतों में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, परिवार की सुख-समृद्धि की कामना और पक्षियों व जीवों के प्रति करुणा का भाव झलकता है। छठ में उपयोग होने वाली सामग्रियां पूरी तरह से स्थानीय, प्राकृतिक और मिट्टी से जुड़ी होती हैं। बांस के सूप, दौरे, मिट्टी के चूल्हे, गन्ना, ठेकुआ का प्रसाद, नारियल, नींबू और तरह-तरह के स्थानीय मौसमी फल इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति किस प्रकार प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की प्रेरणा देती है। इस दौरान पूरा माहौल अनोखी सुवास से भर जाता है, जिसमें पवित्रता और सादगी की महक होती है। यह पर्व इस बात का प्रतीक है कि बिना किसी तामझाम और दिखावे के भी ईश्वर की सबसे बड़ी आराधना की जा सकती है।

सामाजिक समरसता और समाजवाद की जो तस्वीर छठ महापर्व में देखने को मिलती है, वह विश्व के किसी अन्य त्योहार में दुर्लभ है। यह पर्व जाति, वर्ग, अमीर और गरीब के बीच की सभी कृत्रिम दीवारों को पूरी तरह से ढहा देता है। घाट पर राजा और रंक एक साथ, एक ही मिट्टी पर बैठकर सूर्य देव की प्रार्थना करते हैं। जो सूप और दौरा एक संपन्न व्यक्ति के हाथ में होता है, वही सूप और दौरा एक निर्धन व्यक्ति के पास भी होता है। छठ पूजा के दौरान ऊंच-नीच का भेद पूरी तरह समाप्त हो जाता। बांस का सूप बनाने वाले से लेकर, मिट्टी का चूल्हा बनाने वाले और फल बेचने वाले तक, समाज का हर हिस्सा इस महापर्व का एक अनिवार्य अंग बन जाता है। इसके अलावा, सामूहिक रूप से घाटों की सफाई करना, रास्तों को सजाना और अजनबियों की मदद करना इस पर्व के सामाजिक सरोकार को दर्शाता है। यह समाज में आपसी भाईचारे, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करता है। इस महापर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू इसका पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण और स्वच्छता की कठोर नियमावली है। छठ पूजा में आत्मिक शुद्धि के साथ-साथ बाह्य पर्यावरण की स्वच्छता पर अत्यधिक बल दिया जाता है। व्रत रखने वाले श्रद्धालु, जिन्हें व्रती कहा जाता है, चार दिनों तक अत्यंत कठिन नियमों का पालन करते हैं। नहाय-खाय से शुरू होकर, खरना, फिर डूबते सूर्य और उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक की यह यात्रा आत्म-अनुशासन की पराकाष्ठा है। बिना जल ग्रहण किए लगातार निर्जला उपवास रखना मानसिक और शारीरिक दृढ़ता को दर्शाता है। दूसरी ओर, इस पर्व के आगमन के साथ ही नदियों, तालाबों और जलस्रोतों की सफाई का जो व्यापक अभियान जनभागीदारी से चलता है, वह आज के समय में पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा संदेश है। पानी को देवता मानकर उसकी शुद्धता बनाए रखना और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करना यह साबित करता है कि हमारे पूर्वज पर्यावरण संतुलन के महत्व को कितनी अच्छी तरह समझते थे। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में छठ महापर्व का महत्व भौगोलिक सीमाओं को लांघकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुका है। रोजगार और शिक्षा के सिलसिले में देश-विदेश के विभिन्न कोनों में रहने वाले लोग इस पर्व के दौरान अपने गृह राज्य की ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे यह पर्व पारिवारिक पुनर्मिलन और अपनी जड़ों से जुड़ने का एक महामाध्यम बन गया है। आज न्यूयॉर्क के हडसन नदी के तट से लेकर लंदन और मॉरीशस के समंदर के किनारों तक छठ के पारंपरिक गीत गूंजते हैं और अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का संकेत है कि अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति यह अगाध श्रद्धा हर उस व्यक्ति के भीतर जीवित रहती है जो अपनी मिट्टी से जुड़ा हुआ है। आस्था का यह महापर्व चार दिवसीय अनुष्ठान से कहीं अधिक मानवीय मूल्यों, सामाजिक समरसता, पर्यावरण चेतना और अटूट विश्वास की एक शाश्वत यात्रा है जो हर वर्ष मनुष्य को भीतर और बाहर दोनों से शुद्ध कर जाता है।

छठः लोक आस्था और सामाजिक समरसता का महापर्व

बद्रीनाथ वर्मा



आज न्यूयॉर्क के हडसन नदी के तट से लेकर लंदन और मॉरीशस के समंदर के किनारों तक छठ के पारंपरिक गीत गूंजते हैं और सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का संकेत है कि व्यक्ति चाहे जहां रहे लेकिन अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति मन के कोने में अपनी माटी के प्रति श्रद्धा जीवित रहती है। छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की उस गहरी चेतना का प्रतीक है जो मनुष्य को प्रकृति, समाज और आत्मिक शुद्धता से जोड़ती है। छठ अपनी जड़ों की ओर लौटने का एक अपरिहार्य आमंत्रण है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक चलने वाला यह चार दिवसीय महापर्व लोक आस्था का सबसे अनुपम उदाहरण है। सूर्य उपासना के इस महापर्व का धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ताना-बाना इतना सुदृढ़ और व्यापक है कि यह आधुनिकता के दौर में भी अपनी प्राचीन परंपराओं, पवित्रता और सादगी को अक्षुण्ण बनाए हुए है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी भी प्रकार के आडंबर, मूर्ति पूजा या पुरोहितवाद की आवश्यकता नहीं होती। यह सीधे तौर पर जीव और प्रकृति के प्रत्यक्ष देवता, सूर्य नारायण के बीच का संवाद है। इस महापर्व का एक अत्यंत भावुक और मार्मिक पहलू प्रवास की वह पीड़ा है, जो रोजगार, शिक्षा और बेहतर भविष्य की तलाश में अपनी माटी से दूर गए लाखों लोगों के दिलों में कचोटती है। जैसे-जैसे कार्तिक का महीना नजदीक आता है, परदेस में बैठे हर व्यक्ति का मन अपने गांव के उन घाटों, मिट्टी के चूल्हों और ठेकुआ की महक के लिए व्याकुल हो उठता है। ट्रेनों में तिल रखने की जगह न होना, टिकटों के लिए महीनों पहले से होने वाली जद्दोजहद और घर पहुंचने की वह बेचैनी इस बात का प्रमाण है कि अपनी संस्कृति का खिंचाव कितना गहरा है। लेकिन जो लोग किन्हीं मजबूरियों, छुट्टियों की कमी या सात समंदर पार होने के कारण घर नहीं लौट पाते, उनके लिए यह समय गहरी टीस और एकाकीपन का होता है। परदेस की बंद चहारदीवारी या किसी अनजाने शहर की नदी के किनारे खड़े होकर जब वे अर्घ्य देते हैं तो उनकी आंखों में अपने गांव का वह दृश्य तैर जाता है जहां पूरा परिवार एक साथ जुटता था। लोक गीतों में भी इस प्रवास की पीड़ा को बखूबी पिरोया गया है, जहां एक मां परदेस गए अपने बेटे से छठ में घर आने की गुहार लगाती है। यह पर्व प्रवासी समाज को अपनी पहचान से जोड़े रखने का सबसे मजबूत पुल है, जो भौतिक रूप से दूर होने पर भी उन्हें मानसिक और आत्मिक रूप से अपनी मिट्टी से अलग नहीं होने देता।

सनातन परंपरा में सूर्य को पंचदेवों में से एक माना गया है, जो प्रत्यक्ष रूप से संपूर्ण सृष्टि को ऊर्जा, प्रकाश और जीवन प्रदान करते हैं। छठ पूजा में सूर्य देव के साथ-साथ उनकी शक्तियों की अधिष्ठात्री देवी, जिन्हें लोक भाषा में छठी मैया कहा जाता है, की आराधना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया ब्रह्मा जी की मानस पुत्री और देवसेना हैं जिन्हें प्रकृति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण षष्ठी देवी कहा गया है। वे बच्चों की रक्षा करने वाली और दीर्घायु प्रदान करने वाली देवी हैं। धार्मिक कथाओं में इसका संबंध रामायण और महाभारत काल से भी जोड़ा जाता है। माना जाता है कि लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर भगवान श्रीराम और माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य देव की उपासना की थी। वहीं, महाभारत काल में सूर्यपुत्र कर्ण द्वारा नदी में खड़े होकर सूर्य की पूजा करने और द्रौपदी द्वारा पांडवों के खोए हुए राजपाट को वापस पाने के लिए यह व्रत रखने का उल्लेख मिलता है। वैज्ञानिक और धार्मिक दृष्टिकोण का यह संगम इस पर्व को अनुपम बनाता है, जहां ढलते हुए सूर्य और उगते हुए सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का आध्यात्मिक संदेश है कि जीवन में अवसान और उदय दोनों ही अपरिहार्य हैं और जो डूब रहा है उसका उदय होना भी निश्चित है। लोक संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति छठ पर्व के दौरान गाए जाने वाले पारंपरिक लोक गीत इसके सांस्कृतिक महत्व को और अधिक समृद्ध करते हैं। कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए- जैसे कर्णप्रिय मधुर गीत उस सामूहिक श्रम, समर्पण और पवित्रता की कहानी कहते हैं जो इस व्रत का मूल आधार है। इन गीतों में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, परिवार की सुख-समृद्धि की कामना और पक्षियों व जीवों के प्रति करुणा का भाव झलकता है। छठ में उपयोग होने वाली सामग्रियां पूरी तरह से स्थानीय, प्राकृतिक और मिट्टी से जुड़ी होती हैं। बांस के सूप, दौरे, मिट्टी के चूल्हे, गन्ना, ठेकुआ का प्रसाद, नारियल, नींबू और तरह-तरह के स्थानीय मौसमी फल इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति किस प्रकार प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की प्रेरणा देती है। इस दौरान पूरा माहौल अनोखी सुवास से भर जाता है, जिसमें पवित्रता और सादगी की महक होती है। यह पर्व इस बात का प्रतीक है कि बिना किसी तामझाम और दिखावे के भी ईश्वर की सबसे बड़ी आराधना की जा सकती है।

सामाजिक समरसता और समाजवाद की जो तस्वीर छठ महापर्व में देखने को मिलती है, वह विश्व के किसी अन्य त्योहार में दुर्लभ है। यह पर्व जाति, वर्ग, अमीर और गरीब के बीच की सभी कृत्रिम दीवारों को पूरी तरह से ढहा देता है। घाट पर राजा और रंक एक साथ, एक ही मिट्टी पर बैठकर सूर्य देव की प्रार्थना करते हैं। जो सूप और दौरा एक संपन्न व्यक्ति के हाथ में होता है, वही सूप और दौरा एक निर्धन व्यक्ति के पास भी होता है। छठ पूजा के दौरान ऊंच-नीच का भेद पूरी तरह समाप्त हो जाता। बांस का सूप बनाने वाले से लेकर, मिट्टी का चूल्हा बनाने वाले और फल बेचने वाले तक, समाज का हर हिस्सा इस महापर्व का एक अनिवार्य अंग बन जाता है। इसके अलावा, सामूहिक रूप से घाटों की सफाई करना, रास्तों को सजाना और अजनबियों की मदद करना इस पर्व के सामाजिक सरोकार को दर्शाता है। यह समाज में आपसी भाईचारे, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करता है। इस महापर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू इसका पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण और स्वच्छता की कठोर नियमावली है। छठ पूजा में आत्मिक शुद्धि के साथ-साथ बाह्य पर्यावरण की स्वच्छता पर अत्यधिक बल दिया जाता है। व्रत रखने वाले श्रद्धालु, जिन्हें व्रती कहा जाता है, चार दिनों तक अत्यंत कठिन नियमों का पालन करते हैं। नहाय-खाय से शुरू होकर, खरना, फिर डूबते सूर्य और उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक की यह यात्रा आत्म-अनुशासन की पराकाष्ठा है। बिना जल ग्रहण किए लगातार निर्जला उपवास रखना मानसिक और शारीरिक दृढ़ता को दर्शाता है। दूसरी ओर, इस पर्व के आगमन के साथ ही नदियों, तालाबों और जलस्रोतों की सफाई का जो व्यापक अभियान जनभागीदारी से चलता है, वह आज के समय में पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा संदेश है। पानी को देवता मानकर उसकी शुद्धता बनाए रखना और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करना यह साबित करता है कि हमारे पूर्वज पर्यावरण संतुलन के महत्व को कितनी अच्छी तरह समझते थे। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में छठ महापर्व का महत्व भौगोलिक सीमाओं को लांघकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुका है। रोजगार और शिक्षा के सिलसिले में देश-विदेश के विभिन्न कोनों में रहने वाले लोग इस पर्व के दौरान अपने गृह राज्य की ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे यह पर्व पारिवारिक पुनर्मिलन और अपनी जड़ों से जुड़ने का एक महामाध्यम बन गया है। आज न्यूयॉर्क के हडसन नदी के तट से लेकर लंदन और मॉरीशस के समंदर के किनारों तक छठ के पारंपरिक गीत गूंजते हैं और अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का संकेत है कि अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति यह अगाध श्रद्धा हर उस व्यक्ति के भीतर जीवित रहती है जो अपनी मिट्टी से जुड़ा हुआ है। आस्था का यह महापर्व चार दिवसीय अनुष्ठान से कहीं अधिक मानवीय मूल्यों, सामाजिक समरसता, पर्यावरण चेतना और अटूट विश्वास की एक शाश्वत यात्रा है जो हर वर्ष मनुष्य को भीतर और बाहर दोनों से शुद्ध कर जाता है।

विचार

भारत को चाहिए दुनिया का बाजार, वीजा व्यवस्था में बदलाव वक्त की अनिवार्य मांग

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्व का रास्ता दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोलने से होकर गुजरता है। विदेशी पूंजी, आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ मानव संसाधन, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी, चिकित्सा पर्यटन और वैश्विक कारोबार को आकर्षित करने के लिए भारत की वीज़ा व्यवस्था का सरलीकरण जरूरी था। केंद्र सरकार ने 13 प्रमुख वीजा श्रेणियों को घटाकर नौ और 49 उपश्रेणियों को घटाकर 23 करके इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। वस्तुत: कहना चाहिए कि यह प्रशासनिक बदलाव भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प से सीधे जुड़ा है। क्योंकि दुनिया में आर्थिक महाशक्ति बनने की आकांक्षा रखने वाले किसी भी देश के लिए अपनी सीमाओं के भीतर सिमटे रहना पर्याप्त नहीं होता। उसकी असली शक्ति इस बात से तय होती है कि वह दुनिया की पूंजी, प्रतिभा, तकनीक, बाजार और व्यापार को अपनी ओर कितना आकर्षित कर सकता है। भारत आज इसी मोड़ पर खड़ा है। आज विशाल घरेलू बाजार, युवा आबादी, तेजी से विकसित होता डिजिटल ढांचा, औद्योगिक संभावनाएं और उद्यमशीलता की क्षमता उसकी बड़ी ताकत हैं। अब इन क्षमताओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ना समय की मांग है। इसी संदर्भ में केंद्र सरकार का वीज़ा व्यवस्था में व्यापक बदलाव आर्थिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारतीय वीजा व्यवस्था को अधिक सरल और उद्देश्य आधारित बनाने के लिए आवेदन प्रपत्रों में पूछे जाने वाले विवरणों की संख्या भी 65 से 70 प्रतिशत तक कम की गई है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत आने की इच्छा रखने वाले विदेशी पर्यटकों, निवेशकों, विद्यार्थियों, चिकित्सकीय यात्रियों और व्यावसायिक विशेषज्ञों को आवेदन प्रक्रिया में कम औपचारिकताओं से गुजरना होगा। अक्टूबर 2025 में भी सरकार ने वीजा श्रेणियों को 22 से घटाकर 13 किया था। अब दूसरे चरण में इन्हें और व्यवस्थित किया गया है। वास्तव में यह भारत की आर्थिक सोच में आए उस परिवर्तन का संकेत है, जिसमें वैश्विक संपर्कों को विकास का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है।

आज निवेशक किसी देश में पूंजी लगाने से पहले वहां की नीतियों, प्रशासनिक प्रक्रियाओं, व्यावसायिक वातावरण और सरकारी सुविधाओं का आकलन करते हैं। यदि किसी निवेशक या तकनीकी विशेषज्ञ को भारत आने के लिए लंबी और अस्पष्ट प्रक्रियाओं से गुजरना पड़े तो उसका असर निवेश के फैसलों पर पड़ सकता है। ऐसे में वीजा व्यवस्था की सरलता सीधे आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करती है। सरकार ने बिजनेस वीज़ा को बी-1 और बी-2 दो प्रमुख श्रेणियों में व्यवस्थित किया है। बी-1 के अंतर्गत दीर्घकालीन कारोबारी गतिविधियां, औद्योगिक एवं वाणिज्यिक उपक्रमों की स्थापना और लाइसेंस आधारित व्यवसाय शामिल हैं। बी-2 में अल्पकालीन अनुबंध, सम्मेलन, खेल, फिल्म निर्माण, प्रदर्शन कला और तकनीकी कार्यों को स्थान दिया गया है। भारतीय कंपनियों द्वारा नियुक्त विदेशी इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों और विषय विशेषज्ञों के लिए भी विशेष प्रावधान किया गया है। मशीनों की स्थापना, उत्पादन व्यवस्था, गुणवत्ता परीक्षण, रखरखाव, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और तकनीकी हस्तांतरण जैसे कार्यों के लिए विदेशी विशेषज्ञों की उपलब्धता सहज होगी। भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में यह बदलाव खास महत्व रखता है। मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से सरकार विनिर्माण क्षेत्र में निवेश तथा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दे रही है। वैश्विक कंपनियां भारत में अपनी इकाइयां स्थापित करती हैं तो उनके साथ पूंजी, आधुनिक तकनीक, प्रबंधन कौशल और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ने के अवसर भी आते हैं। इससे भारतीय उद्योगों को नई तकनीक अपनाने, उत्पादन की गुणवत्ता सुधारने और वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने का अवसर मिलता है। वीजा सुधारों का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष पर्यटन है। टूरिस्ट वीजा का नाम बदलकर विजिटर वीजा किया गया है। नई वी-1 श्रेणी में 30 दिन की वैधता और बहु-प्रवेश की सुविधा के साथ कारोबारी बैठकें, चिकित्सकीय परामर्श, वेलनेस रिट्रीट और भारतीय भाषाओं, संगीत, कला एवं शिल्प के अल्पकालीन पाठ्यक्रम शामिल हैं। वी-2 वीजा पात्रता के अनुसार एक, पांच अथवा दस वर्ष के लिए जारी किया जा सकेगा। पर्वतारोहण के लिए छह महीने का बहु-प्रवेश वीज़ा भी प्रस्तावित व्यवस्था का हिस्सा है। भारत के पास धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन की व्यापक विरासत है। योग, आयुर्वेद, भारतीय संगीत, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक परंपराएं दुनिया के लोगों को आकर्षित करती हैं।

एक नजर

सेवा संकल्प सह कायाकल्प अभियान की डीएम ने की समीक्षा, लंबित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश



बक्सर। समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में गुरुवार को जिला पदाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में सेवा संकल्प सह कायाकल्प अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अभियान के तहत संचालित विभिन्न कार्यों एवं गतिविधियों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान संबंधित विभागों से निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध अब तक हुई उपलब्धियों और लंबित कार्यों की जानकारी ली गई। समीक्षा के दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राथमिकता के आधार पर तय समय-सीमा में पूरा करें। उन्होंने कहा कि अभियान के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय और जिम्मेदारी के साथ काम करें। कार्यों के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लंबित कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। जिन कार्यों की प्रगति धीमी है, उनमें विशेष पहल कर तेजी लाने को कहा। डीएम ने स्पष्ट किया कि अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता और जवाबदेही जरूरी है, ताकि निर्धारित मानकों के अनुरूप आधारभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

नो-एंट्री के बाद नए बाईपास पर दौड़ रहे 51 ट्रकों पर कार्रवाई, 4.01 लाख रुपये जुर्माना

बक्सर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और नो-एंट्री नियमों का उल्लंघन करने वाले भारी वाहनों पर शिकंजा कसने के लिए जिला परिवहन विभाग ने गुरुवार को विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान डीएवी मोड़ के समीप नए बाईपास मार्ग पर निर्धारित नो-एंट्री अवधि के बाद भी अवैध रूप से परिचालन करते पाए गए ट्रकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिला परिवहन कार्यालय बक्सर की प्रवर्तन टीम द्वारा चलाए गए इस अभियान में कुल 51 भारी वाहनों (ट्रकों) का चालान काटा गया। नियमों की अनदेखी करने वाले इन वाहन चालकों पर कुल 4 लाख 1 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। जिला परिवहन कार्यालय एवं प्रवर्तन दल की संयुक्त कार्रवाई से नो-एंट्री नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। विभाग ने सभी वाहन चालकों और ट्रांसपोर्टरों को सख्त हिदायत दी है कि वे निर्धारित नो-एंट्री नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए नए बाईपास सहित जिले के प्रमुख मार्गों पर नियमित रूप से सघन जांच अभियान चलाया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

डीएम एसपी ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

अररिया। डीएम विनोद दूहन और एसपी जितेन्द्र कुमार ने फारबिसगंज कोठीहाट नहर सहित अन्य स्थानों पर छठ को लेकर की जा रही तैयारी का गुरुवार को अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।इस दौरान फारबिसगंज एसडीएम अभय कुमार तिवारी,एसडीपीओ राजकिशोर कुमार,थानाध्यक्ष मनोज कुमार,मुख्य पार्षद वीणा देवी, नप के प्रभारी प्रधान सहायक कामख्या नारायण सिंह सहित छठ पूजा समिति के सदस्य मौजूद थे।डीएम एसपी ने कोसी मेची नदी लिंक परियोजना के कारण नहर के जल अधिग्रहण क्षेत्र में पानी नहीं रहने को लेकर नगर परिषद प्रशासन की ओर से किए गए वैकल्पिक व्यवस्था पर संतुष्टि जाहिर की और जिला प्रशासन की ओर से छठव्रतियों के लिए हरसंभव मदद करने की बात कही।मौके प्रायोजिद एसपी ने भी एसडीपीओ सहित अन्य पुलिस अधिकारियों को छठ पर्व के दौरान विधि व्यवस्था संधारण को लेकर निर्देशित किया।डीएम एसपी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मयंक कुमार को छठव्रतियों के वस्त्र बदलने के लिए चेंजिंग रुम सहित वाच टावर का निर्माण किए जाने और घाट सहित आने जाने वाले मार्ग पर विशेष साफ सफाई का निर्देश दिया। मौके पर मौजूद डीएम विनोद दूहन ने कहा कि लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।घाट निर्माण से लेकर साफ सफाई और छठव्रतियों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो,इसके लिए हर मुकम्मल व्यवस्था की जा रही है।उन्होंने कहा कि नहर में पानी नहीं रहने के कारण किए गए वैकल्पिक व्यवस्था का सभी जगह जाकर निरीक्षण कर रहे हैं और मिल रही खामियों को दूर करने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित कर रहे हैं। वहीं मौके पर मौजूद फारबिसगंज की मुख्य पार्षद वीणा देवी ने कहा कि नगर परिषद प्रशासन नगर क्षेत्र के सभी तालाब,पोखर की साफ सफाई के साथ छठव्रतियों के लिए सभी प्रकार की तैयारी में जुटी है।उन्होंने कोठीहाट नहर में किए गए वैकल्पिक व्यवस्था से पूरी तरह पानी आ जाने की बात कही और शहरवासियों से अपील की कि हरेक साल की तरह लोक आस्था के इस महापर्व में उपासना और पूजा अर्चना के लिए घाटों पर आए।शहर में रोशनी सहित सड़क के मरम्मति और अन्य सभी प्रकार की व्यवस्था छठव्रतियों के लिए नगर परिषद प्रशासन की ओर से की जाएगी।

बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए एकत्रित हुए चार बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

अररिया। जिले की फारबिसगंज थाना पुलिस ने हवाई अड्डा के मैदान में बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए एकत्रित हुए चार बदमाशो को हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।गिरफ्तार बदमाश के पास से एक देशी कट्टा,चार कारतूस,एक चाकू,एक खोखा,दो बाइक,चार मोबाइल बरामद किया गया है।इस बात की जानकारी फारबिसगंज थाना में गुरुवार शाम एसडीपीओ राजकिशोर कुमार ने दी। फारबिसगंज एसडीपीओ राजकिशोर कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि फारबिसगंज हवाई अड्डा के मैदान में पांच से छह को संख्या में बड़ी वारदात को अंजाम देने को लेकर बदमाश एकत्रित हुए हैं।सूचना पर एसपी जितेन्द्र कुमार के निर्देश पर उनके नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।छापामारी दल ने हवाई अड्डा के मैदान में छापेमारी की तो बदमाश भागने लगे।जिसमें चार बदमाशो को खदेड़कर पकड़ा गया।जबकि दो मौके से फरार होने में कामयाब रहे।

सारण के मांझी में सम्राट चौधरी ने किया अटल घाट, वाटिका एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण

सारण,एजेंसी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को सारण जिले के मांझी प्रखंड स्थित रामघाट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को रामघाट के दोनों तरफ स्थित पुलों तक घाट का विस्तार एवं विकास करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इसके पूर्व दलन सिंह उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता सेनानी स्व दलन सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा सेवा संकल्प-सह-कायाकल्प अभियान के अंतर्गत विकसित आधुनिक प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने दलन सिंह उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज में नवनिर्मित स्पेस साइंस एंड इनोवेशन लैब, आईएसएम लैब, आईसीटी लैब, बायोलॉजी लैब, केमिस्ट्री लैब एवं लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक प्रयोगशालाओं के स्थापित होने से उन्हें विषयों को समझने और प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करने में काफी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यालय की लाइब्रेरी में भी कंप्यूटर लगाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा मिल सके।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने रामघाट स्थित अटल वाटिका, यज्ञशाला एवं मां सरयू कैफे (दीदी की रसोई) का निरीक्षण किया। उन्होंने बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा 8 करोड़ 20 लाख रुपये से



अधिक की लागत से कार्यान्वित रिवर फ्रंट डेवलपमेंट परियोजना-रामघाट, अटल द्वार का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने अटल वाटिका का भी उद्घाटन किया तथा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। हर वर्ष अटल उत्सव मनाया जायेगा। रामघाट के समीप आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रामघाट आना मेरे लिए गर्व का विषय है। यह वह पवित्र स्थल है, जहां प्रभु श्रीराम के आगमन और सरयू नदी में स्नान की धार्मिक मान्यता जुड़ी हुई है। छठ महापर्व से पहले रामघाट का लोकार्पण श्रद्धालुओं के लिए काफी सुविधाजनक होगा। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग खूबते सूर्य को भी प्रणाम करते हैं, जबकि दुनिया में प्राय: उगते सूर्य को ही प्रणाम किया जाता है। यह हमारी संस्कृति और परंपरा की विशेषता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रेरणादायी नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी निरंतर आगे बढ़ी। उन्होंने 32 राजनीतिक दलों को एकजुट कर एन0डी0ए0 का गठन किया और तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने। आज उनकी प्रतिमा का अनावरण करने का अवसर मिलना मेरे लिए गौरव की बात है। अटल बिहारी वाजपेयी ने बिहार के विकास के लिए विशेष पैकेज के तहत तत्कालीन मुख्यमंत्री के आग्रह पर चार वर्षों तक प्रतिवर्ष 4,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराया था। वर्ष 2005 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विकास कार्यों को नई गति मिली और उस राशि का उपयोग सड़क, बिजली सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं के विकास में किया गया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर रामघाट पर राजकीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

छठ पूजा के लिए बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव एवं स्वच्छता पर एनएचएआई का विशेष ध्यान

पटना। बिहार के प्रमुख लोकपर्व छठ पूजा के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग देश-विदेश से अपने घर लौटते हैं। इस दौरान राज्य के राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों के बेहतर रखरखाव, स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित परिवेश सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों के विभिन्न हिस्सों में साफ-सफाई, सड़क के किनारे उगी घास एवं झाड़ियों की कटाई, सड़क सुरक्षा अवरोधकों की पेंटिंग, पुलों की सफाई तथा अन्य आवश्यक रखरखाव संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के साथ-साथ सड़क अवसंरचना के नियमित रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

रखरखाव कार्यों के अंतर्गत सड़क के किनारे एवं मार्ग के दोनों ओर स्थित खाली हिस्सों में उगी अनावश्यक घास और झाड़ियों की कटाई की जा रही है, ताकि सड़क किनारे का क्षेत्र साफ-सुथरा बना रहे। वहीं, सड़क किनारे स्थापित कंक्रीट के सुरक्षा अवरोधकों की पेंटिंग की जा रही है, जिससे उनका दृश्य स्वरूप बेहतर हो सके। इसके अतिरिक्त, पुलों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों की सफाई कर उन्हें स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया जा रहा है। ये सभी गतिविधियाँ राष्ट्रीय राजमार्गों के नियमित रखरखाव का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन कार्यों के माध्यम से न केवल राष्ट्रीय राजमार्गों का परिवेश बेहतर बनाया जा रहा है, बल्कि यात्रियों को यात्रा के दौरान स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित मार्ग उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जा रहा है। विशेष रूप से त्योहार के अवसर पर लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों के लिए सड़क किनारे स्वच्छता, सुव्यवस्थित परिवेश एवं बेहतर रखरखाव महत्वपूर्ण है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव से संबंधित इन गतिविधियों को लगातार संचालित किया जा रहा है। प्राधिकरण का प्रयास है कि छठ पूजा के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों से आवागमन करने वाले यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव मिले और वे सुविधाजनक ढंग से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

सकतपुर थाने के एएसआई समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित, अवैध पिस्टल से चली थी गोली

दरभंगा,एजेंसी। जिले के सकतपुर थाना में एएसआई रणधीर कुमार को गोली लगने के मामले में पुलिस की जांच ने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया है। जिस घटना को शुरुआत में अज्ञात हमलावर द्वारा गोली मारने का मामला बताया गया था, वह जांच में गलत निकला। पुलिस के अनुसार, एएसआई को अपनी ही अवैध पिस्टल से अचानक गोली लगी थी। मामले में अब एएसआई समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि दो गृह रक्षकों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

पुलिस जांच के अनुसार, 5 नवंबर को करीब 14:45 से 15:00 बजे के बीच एएसआई रणधीर कुमार दिवा गश्ती के बाद प्रतिनियुक्त बल के साथ लौट रहे थे। इसी दौरान सरकारी पिस्टल के अतिरिक्त उनके पास रखी दूसरी अवैध पिस्टल से अचानक गोली चल गई। गोली उनके बाएं पैर में घुटने के नीचे आर-पार हो गई और पुलिस वाहन के गेट में जाकर फंस गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंचल पुलिस निरीक्षक बहेरा एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बेनीपुर के नेतृत्व में विस्तृत जांच की गई। सीसीटीवी फुटेज, टावर लोकेशन, पुलिस वाहन के जीपीएस, घटनास्थल के सत्यापन तथा पुलिसकर्मियों एवं गवाहों के बयानों का बारीकी से विश्लेषण किया गया। एफएसएल टीम ने पुलिस वाहन के गेट में फंसी गोली बरामद की। साथ ही थाना परिसर में छिपाकर रखी गई अवैध देसी पिस्टल भी बरामद कर जब्त की गई। जांच में तथ्यों को छिपाने और अवैध हथियार रखने के आरोप में एएसआई रणधीर कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें निलंबित कर दिया गया है। फिलहाल वह डीएमसीएच दरभंगा में इलाजरत हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया में जुटी है। वहीं, घटना के दिन गश्ती दल में शामिल चालक सिपाही निलेश कुमार और महिला सिपाही मधु कुमारी को भी पूछताछ के दौरान तथ्य छिपाने के आरोप में निलंबित किया गया है। गृह रक्षक लक्ष्मण पासवान एवं महिला गृह रक्षक चंदन कुमारी के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को अनुशंसा भेजी गई है। गश्ती दल में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच जारी है।

छठ महापर्व को लेकर विद्युत विभाग अलर्ट, विद्युत कार्यपालक अभियंता ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

सहरसा,एजेंसी। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर नगर निगम से लेकर बिजली विभाग भी व्रतियों व श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यापक पैमाने पर तैयारियां कर रही हैं। इसी क्रम में विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, सहरसा ई. अमित कुमार ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर वहां की विद्युत व्यवस्था एवं सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छठ घाटों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों में बिजली के खंभों, विद्युत तारों, ट्रांसफॉर्मरों तथा अन्य विद्युत उपकरणों की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही घाटों तक पहुंचने वाले मार्गों एवं श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले स्थानों पर विद्युत सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया गया कि छठ घाटों के आसपास लटकते या क्षतिग्रस्त विद्युत तारों को तत्काल दुरुस्त किया जाए। जहां आवश्यकता हो, वहां विद्युत उपकरणों की सुरक्षा एवं उचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही किसी भी संभावित विद्युत दुर्घटना को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने तथा सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन करने का निर्देश दिया गया।

विद्युत कार्यपालक अभियंता ई. अमित कुमार ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु नदी, तालाब एवं अन्य जलाशयों के किनारे अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं। ऐसे में विद्युत सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विभाग का प्रयास है कि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं



को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी छठ घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनी रहे।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं क्षेत्रीय कर्मियों को पर्व के दौरान पूरी तरह मुस्तैद रहने, विद्युत संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारी रखने का निर्देश दिया। विद्युत विभाग की ओर से श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से अपील की गई है कि छठ घाटों पर बिजली के खंभों, तारों एवं ट्रांसफॉर्मरों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। विद्युत खंभों या तारों के आसपास कपड़े, सजावटी सामग्री अथवा अन्य वस्तुएं न बांधें। किसी भी प्रकार की विद्युत समस्या या संभावित खतरे की जानकारी तत्काल विभाग को दें। विद्युत विभाग छठ महापर्व को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति के साथ संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

स्व. आरके सिन्हा के ब्रह्मभोज और श्रद्धांजली सभा में पहुंचे मंत्री, नेता और उद्योग जगत के दिग्गज

पटना,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य, राज्यसभा सांसद और सफल व्यवसायी दिवंगत डॉ. रवीन्द्र किशोर सिन्हा के ब्रह्मभोज और श्रद्धांजलि सभा में गुरुवार को उनके पटना स्थित आवास पर कई दिग्गज नेता, मंत्री और व्यवसाय जगत के दिग्गज पहुंचे। पटना स्थित पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र स्थित अन्नपूर्णा भवन में उनका ब्रह्मभोज में मुरली मनोहर जोशी (पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता), गिरिराज सिंह (केंद्रीय मंत्री), चिराग पासवान (केंद्रीय मंत्री), रवि शंकर प्रसाद (भाजपा सांसद), बिहार सरकार में कृषि मंत्री विजय सिन्हा के अलावा बिहार सरकार के कई मंत्री, विधायक और विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेता व सामाजिक लोग शामिल हुए। 75 वर्षीय डॉ. आरके सिन्हा का निधन बीते 30 अक्टूबर, 2026 को नोएडा स्थित उनके आवास पर हुआ था।

पिछले कुछ समय से वे अस्वस्थ चल रहे थे। निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए पटना लाया गया था। मुख्यमंत्री समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और बड़ी संख्या में आम लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि देकर अंतिम विदाई दी थी। डॉ सिन्हा भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसके साथ ही वे एसआईएस ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन के तौर पर कारोबारी जगत में भी पहचान रखते थे।



उनके निधन से बिहार के राजनीतिक और व्यावसायिक क्षेत्र में शोक का माहौल है। डॉ सिन्हा का जन्म 22 सितंबर, 1951 को बिहार में भोजपुर जिले के बहियारा गांव में हुआ था। उन्होंने पटना के एएन कॉलेज से राजनीति विज्ञान और कानून की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना करियर शुरू किया। शुरुआती दिनों में वे 'द सर्चलाइट' और 'प्रदीप' जैसे अखबारों के लिए काम करते थे। उस समय उन्हें हर महीने महज 250 रुपये वेतन मिलता था। वे साइकिल से घूमकर अपराध और राजनीतिक घटनाओं की रिपोर्टिंग करते थे।

साल 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध को भी उन्होंने युद्ध संवाददाता के रूप में कवर किया था। डॉ आरके सिन्हा ने साल 1974 में पटना से सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज (एसआईएस) ग्रुप की शुरुआत की थी। कंपनी शुरू करने के पीछे पूर्व सैनिकों को रोजगार उपलब्ध कराने का विचार था। 1971 के युद्ध के बाद बड़ी संख्या में सैनिक सेवानिवृत्त होकर अपने घर लौटे थे। उनके पुनर्वास और रोजगार की समस्या को देखते हुए लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने सिन्हा को पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार के अवसर तैयार करने की सलाह दी थी। जेपी की सलाह से प्रेरित होकर उन्होंने पटना में एक छोटे से किराए के कमरे से कंपनी शुरू की। शुरुआती दौर में कंपनी में केवल दो लोग थे। धीरे-धीरे कारोबार का विस्तार हुआ और एसआईएस ग्रुप ने निजी सुरक्षा सेवाओं के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। आज यह समूह भारत के साथ-साथ दूसरे देशों में भी अपनी सेवाएं देता है। कंपनी के विस्तार के साथ बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला।

गार्डेन घी और बांके बिहारी प्रतिष्ठान पर कार्रवाई, पांच लाख के घी और 1.74 लाख रुपये का आटा जब्त

पटना। स्वास्थ्य विभाग की खाद्य संरक्षा इकाई ने पटना के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर गार्डेन घी और बांके बिहारी फूड प्राइवेट लिमिटेड में अनियमितताएं पायी जाने पर जब्ती की कार्रवाई की। है दीघा घाट स्थित गार्डेन घी से 5 लाख 24 हजार 160 रुपये मूल्य का 728 किलोग्राम घी तथा बांके बिहारी फूड प्राइवेट लिमिटेड से 1 लाख 74 हजार 300 रुपये मूल्य का 4,980 किलोग्राम आटा जब्त किया गया। दोनों प्रतिष्ठानों से कुल 6 लाख 98 हजार 460 रुपये मूल्य के खाद्य पदार्थ जब्त किये गये। घी और आटे के नमूने भी लिये गये। गार्डेन घी के निरीक्षण में घी निर्माण की अनुज्ञप्ति प्राप्त नहीं होने की बात दर्ज की गई।

साथ ही, घी का भंडारण जंग लगे टीन में किया हुआ पाया गया। इन अनियमितताओं पर कार्रवाई करते हुए घी जब्त किया गया और उसका नमूना लिया गया। दीघा घाट स्थित बांके बिहारी फूड प्राइवेट लिमिटेड के निरीक्षण में आटा, मैदा और सूजी जैसे खाद्य पदार्थों का रखरखाव सही नहीं पाया गया। कुछ आटे पर बैच नंबर भी अंकित नहीं था। प्रतिष्ठान से 4,980 किलोग्राम आटा जब्त करने के साथ उसका नमूना लिया गया। महाराजगंज, पटना सिटी स्थित रंजीत कुमार की गुड़ दुकान से गुड़ का नमूना लिया गया। प्रतिष्ठान को अनुज्ञप्ति प्राप्त करने तक बंद रखने का निर्देश दिया गया। वहीं, मीना बाजार, महाराजगंज स्थित मेसर्स भारत ट्रेडर्स से आटा और गुड़ के नमूने लिये गये तथा वैध अनुज्ञप्ति प्राप्त करने तक प्रतिष्ठान बंद रखने का निर्देश दिया गया।

जीपीओ, पटना स्थित मेसर्स यादव डेयरी से घी का नमूना लिया गया। निरीक्षण में कीट नियंत्रण, कर्मचारियों की चिकित्सकीय जांच रिपोर्ट और पानी की जांच रिपोर्ट से संबंधित कमियां दर्ज की गईं। प्रतिष्ठान की अनुज्ञप्ति में खाद्य श्रेणी भी गलत पाई गई। इन कमियों को दूर करने के लिए प्रतिष्ठान को 14 दिनों का सुधार नोटिस निर्गत किया गया। आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की खाद्य संरक्षा इकाई विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर रही है। इस अभियान में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के साथ उनके निर्माण, भंडारण, स्वच्छता और अनुज्ञप्ति से जुड़े मानकों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विभाग की कार्रवाई में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के साथ प्रतिष्ठानों में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने पर भी जोर है। निरीक्षण में मिली कमियों के आधार पर खाद्य पदार्थों की जब्ती, नमूना संग्रह और समयबद्ध सुधार के लिए नोटिस देने जैसे कदम उठाये जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य खाद्य कारोबारियों की जवाबदेही बढ़ाना और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य हितों की रक्षा करना है।

एक नजर

उन्नीस नवंबर को होगी 41वीं अखिल भारतीय इंदिरा मैराथन, विजेता को मिलेंगे दो लाख रुपये



प्रयागराज। विश्व प्रसिद्ध संगमनगरी में 19 नवंबर को 41वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन का आयोजन किया जाएगा। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय और जिला प्रशासन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग के धावक फुल मैराथन (42.195 किलोमीटर) और हाफ मैराथन (21.097 किलोमीटर) में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ ऐतिहासिक आनंद भवन से सुबह 6:30 बजे होगा। इसमें देश और प्रदेश के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के धावक और धाविकाएं हिस्सा लेंगे। यह जानकारी गुरुवार को क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी शिव कुमार यादव ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में फुल मैराथन के पुरुष और महिला वर्ग में अलग-अलग पुरस्कार दिए जाएंगे। दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले धावक को दो लाख रुपये, द्वितीय स्थान पर रहने वाले को एक लाख रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 75 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। इसके अलावा प्रत्येक वर्ग में 10-10 हजार रुपये के 11 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। इसी तरह हाफ मैराथन के पुरुष और महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 21 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार 11 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ग में 5100 रुपये के तीन सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी शिव कुमार यादव ने बताया कि इंदिरा मैराथन की तैयारियां की जा रही हैं। प्रतियोगिता आनंद भवन से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में संपन्न होगी। इसमें देशभर के नामचीन धावकों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को उसी दिन अपराह्न 2:30 बजे मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

युवा ओलंपिक में अंबेकर मीतेई ने रचा इतिहास, भारत को मुक्केबाजी में पहला स्वर्ण



डकार। भारतीय मुक्केबाज लैरेनलाकपम अंबेकर मीतेई ने गुरुवार को इतिहास रचते हुए 2026 युवा ओलंपिक में देश को मुक्केबाजी का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। मणिपुर के इस मुक्केबाज ने पुरुषों के 50 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में आयरलैंड के क्रिस्टियन जुबानी को 3-2 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। डकार में जारी इन खेलों में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक भी है। फाइनल मुकाबले में मीतेई की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले राउंड में पांचों जजों ने आयरिश मुक्केबाज के पक्ष में फैसला दिया, जिससे भारतीय खिलाड़ी दबाव में आ गए। हालांकि, उन्होंने दूसरे राउंड में शानदार वापसी की और तीन जजों का समर्थन हासिल किया। निर्णायक तीसरे राउंड में मीतेई ने अपना प्रदर्शन और बेहतर किया। चार जजों ने उन्हें बेहतर मुक्केबाज माना और इस तरह उन्होंने 3-2 से मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। मीतेई की स्वर्णिम सफलता के साथ डकार युवा ओलंपिक में भारत का सोने का इंतजार भी खत्म हो गया। इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीन रजत और पांच कांस्य पदक जीते थे। मीतेई ने प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत नामीबिया के अब्राहम कालेंगा के खिलाफ जीत से की थी। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में सेनेगल के फाये शेख इब्राहिमा फॉल को 5-0 से हराया। सेमीफाइनल में कोलंबिया के इज्जोन जेफरी गालेया अरेवालो को भी 5-0 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। मीतेई की इस उपलब्धि ने युवा ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाजी के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। इससे पहले 2010 में सिंगापुर में हुए पहले युवा ओलंपिक में शिव थापा ने पुरुषों के 54 किलोग्राम वर्ग में रजत और विकास कृष्ण ने 60 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता था। मीतेई अब इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए हैं।

अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारत, सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से रौंदा

मस्कट। भारतीय टीम ने गुरुवार को अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। लक्ष्य रायचंदानी की अगुवाई वाली भारतीय टीम अब शनिवार को खिताबी मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम ने तीनों विभागों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को पूरी तरह पछाड़ दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 227 रन बनाए। उसकी ओर से नोमान सालारजई ने 78 गेंदों पर 51 और शाह फैसल रहीमी ने 72 गेंदों पर 51 रन की पारी खेली। भारत की ओर से ईशान सूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 43 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। भारतीय गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने का मौका नहीं दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बना ली। सलामी बल्लेबाजों के बीच 100 से अधिक रन की साझेदारी ने जीत की राह आसान कर दी। पिछले दो मुकाबलों में सस्ते में आउट होने वाले कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने शानदार वापसी करते हुए 90 गेंदों पर 93 रन बनाए।

न्यूजीलैंड ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मैच में भारत को 5-0 से हराया

ऑकलैंड,एजेंसी। कप्तान क्रिस वुड के एक गोल और जेसी रैंडेल के दो गोल की बदौलत न्यूजीलैंड ने गुरुवार को यहां खेले गए अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मुकाबले में भारत को 5-0 से करारी शिकस्त दी। मेजबान टीम ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और भारतीय टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया। न्यूजीलैंड ने पांचवें मिनट में जवाबी हमले पर गोल कर बढ़त हासिल की। परमवीर द्वारा गेंद को क्लीयर किए जाने के बाद रैंडेल ने पेनल्टी बॉक्स में कटबैक दिया, जिस पर भारतीय डिफेंडर बिजॉय वर्गीस से गेंद टकराकर गोलपोस्ट में चली गई। इसके बाद भी रैंडेल ने भारतीय रक्षापंक्ति को लगातार परेशान किया और पहले हाफ में 34वें तथा 43वें मिनट में गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-0 कर दी। दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड के कप्तान क्रिस वुड ने भी गोल किया। उन्होंने 57वें मिनट में कैलन इलियट के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। इस सत्र में गोल के लिए जूझ रहे वुड का यह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए सितंबर 2025 के बाद पहला गोल था। तब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-3 की हार में गोल किया था।



भारतीय टीम की मुश्किलें 75वें मिनट में और बढ़ गईं, जब लियाम गिलियन के क्रॉस पर लैचलन बेलिस ने बेहतरीन हाफ-वॉली शॉट लगाकर स्कोर 5-0 कर दिया। पिछले महीने उरुग्वे के खिलाफ छह गोल गंवाने वाली भारतीय टीम पर एक बार फिर बड़ी हार का खतरा मंडराने लगा था। मैच में छठा गोल भी हो सकता था, जब मैथ्यू शेरिडन के प्रयास पर आकाश मिश्रा ने पेनल्टी बॉक्स में हाथ से गेंद रोक दी। हालांकि, 17 महीने बाद शुरुआती एकादश में वापसी कर रहे गोलकीपर विशाल कैथ ने बिल टुइलोमा के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर छठा गोल नहीं होने दिया। हालांकि, तब तक भारतीय टीम को काफी नुकसान हो चुका था। मुख्य कोच खालिद जमील के नेतृत्व में टीम का खराब प्रदर्शन जारी रहा। भारत ने अपने पिछले दो मुकाबलों में केवल एक गोल किया है, जबकि 11 गोल गंवाए हैं। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और मैत्री मुकाबला खेलना है। वहीं, यह श्रृंखला मेजबान टीम के मुख्य कोच डैरेन बेजली के कार्यकाल के अंतिम मुकाबलों की श्रृंखला है।

जापान मास्टर्सः श्रीकांत ने पांचवीं वरीयता प्राप्त नाराओका को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

कुमामोटो। भारतीय खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने जापान मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व नंबर एक श्रीकांत ने एक घंटे तक चले मुकाबले में घरेलू दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ी नाराओका को 21-15, 11-21, 21-18 से शिकस्त दी। पांच मुकाबलों में यह श्रीकांत की नाराओका के खिलाफ पहली जीत है। श्रीकांत ने तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में एक बार फिर जुझारू प्रदर्शन किया। इससे पहले उन्होंने पिछले दौर में डेनमार्क के रासमुस गेमके के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की थी। पहला गेम काफी करीबी रहा। दोनों खिलाड़ियों के बीच लगातार अंक हासिल करने की होड़ देखने को मिली। मध्यांतर तक श्रीकांत ने 11-10 की बढ़त बना ली। इसके बाद नाराओका ने वापसी करते हुए 14-12 से बढ़त हासिल कर ली, लेकिन निर्णायक मौके पर भारतीय खिलाड़ी ने अपना खेल बेहतर किया। श्रीकांत ने अगले 10 में से नौ अंक जीतकर पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में नाराओका ने जोरदार वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने मध्यांतर तक 11-5 की बढ़त बना ली और इसके बाद स्कोर 14-7 कर दिया। श्रीकांत ने कुछ अंक हासिल कर अंतर कम करने की कोशिश की लेकिन नाराओका ने अपनी पकड़ बनाए रखी और 21-11 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक तीसरे गेम में पहुंचा दिया।

तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। स्कोर 7-7 से बराबर होने के बाद श्रीकांत ने अहम बढ़त हासिल की और मध्यांतर तक 11-7 से आगे रहे। घरेलू दर्शकों के समर्थन से नाराओका ने मध्यांतर के बाद वापसी की भरपूर कोशिश की लेकिन श्रीकांत ने दबाव में संयम बनाए रखा। उन्होंने जापानी खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-18 से तीसरा गेम जीतकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ श्रीकांत ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इससे पहले बुधवार को उन्होंने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में डेनमार्क के रासमुस गेमके को 18-21, 21-16, 24-22 से हराया था। उस मुकाबले के पहले गेम में पांच अंकों की बढ़त गंवाने के बाद श्रीकांत ने वापसी करते हुए मुकाबले को तीसरे गेम तक पहुंचाया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : विवेक शेलार ने महाराष्ट्र टीम में चयन का श्रेय आईएसपीएल को दिया

मुंबई। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) में अपनी रफ्तार और शानदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले भिवंडी के तेज गेंदबाज विवेक शेलार को आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए महाराष्ट्र की टीम में चुना गया है। 26 वर्षीय शेलार ने इसी साल फरवरी में खेले गए अपने पहले आईएसपीएल सत्र में कोलकाता टाइगर्स के लिए नौ विकेट लिए थे। इसमें एलिमिनेटर मुकाबले में ली गई हैट्रिक भी शामिल है। कोलकाता टाइगर्स के सह-मालिक सैफ अली खान, करीना कपूर खान और सौरव गांगुली हैं।

आईएसपीएल में सबसे तेज गेंदबाज रहे शेलार ने टूर्नामेंट के दौरान 145.2 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। उन्होंने महाराष्ट्र टीम में चयन का श्रेय आईएसपीएल में अपने प्रदर्शन को दिया। शेलार के मुताबिक, चयनकर्ताओं ने आईएसपीएल में उनकी गेंदबाजी और रफ्तार पर लगातार नजर रखी, जिसके बाद उन्हें महाराष्ट्र के लिए खेलने का मौका मिला। शेलार ने कहा, 'आईएसपीएल और वहां मेरे प्रदर्शन की वजह से ही मुझे राजस्थान रॉयल्स के ट्रायल में अभ्यास के लिए बुलाया गया था। चयनकर्ताओं ने आईएसपीएल में मेरे प्रदर्शन और गेंदों की रफ्तार देखने के बाद मुझ पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए चयन हुआ है तो मैं वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। उम्मीद है कि इसके बाद आईपीएल में भी चयन हो सकेगा। मेरा लक्ष्य यही है, लेकिन सबसे पहले मैं महाराष्ट्र को जीत दिलाने की कोशिश करूंगा।

भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना हर क्रिकेटर की तरह शेलार भी देखते हैं, लेकिन वह फिलहाल एक-एक कदम आगे बढ़ना चाहते हैं। महाराष्ट्र की टीम में ऋतुराज गायकवाड़ और पृथ्वी शॉ जैसे भारतीय सितारे शामिल हैं। शेलार इस टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर अपनी जगह मजबूत करना चाहते हैं। भारत की पहली टेनिस बॉल आधारित टी10 क्रिकेट लीग आईएसपीएल ने स्थानीय स्तर पर टेनिस बॉल क्रिकेट खेलने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पेशेवर क्रिकेट तक पहुंचने का मंच दिया है।

विवान कपूर ने दिलाया भारत को एलए-2028 ओलंपिक का तीसरा कोटा, ट्रैप में जीता रजत

दोहा,एजेंसी। भारतीय निशानेबाज विवान कपूर ने गुरुवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा का रजत पदक जीतकर देश को लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 का तीसरा कोटा दिलाया। कतर के लुसैल शूटिंग कॉम्प्लेक्स में मिली इस सफलता के साथ ही भारत की पदक संख्या 13 पहुंच गई। इसी दिन अंकुर गोयल ने 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत रजत और टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत की झोली में दो और पदक डाले। विवान ने ट्रैप फाइनल में कुवैत के अब्दुलरहमान अलफैहान के साथ 29-29 निशाने लगाकर बराबरी की। स्वर्ण पदक के लिए हुए शूटऑफ में अलफैहान ने 3-2 से बाजी मार ली। चीन के क्यू यिंग ने 22 निशानों के साथ कांस्य पदक जीता।

इससे पहले जयपाल मालवीय और नीरज कुमार भी दोहा में ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं। जयपाल ने पांच नवंबर को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला था। वहीं, नीरज ने बुधवार को पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में कांस्य पदक जीतकर दूसरा कोटा दिलाया था। ट्रैप क्वालिफिकेशन में सात निशानेबाजों ने 125 में से 120 अंक हासिल किए थे। इसके बाद शूटऑफ में विवान ने छठा स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 25, 24, 24, 24 और 23 के स्कोर के साथ कुल 120 निशाने लगाए। उनके साथ भारतीय निशानेबाज उदाइवीर सिंह जैजी ने भी 120 का स्कोर किया और शूटऑफ में 3+0 के प्रदर्शन के साथ आठवां तथा अंतिम फाइनल स्थान हासिल किया। उदाइवीर ने फाइनल में 11 निशाने लगाए और क्वालिफिकेशन रैंकिंग के आधार पर छठे स्थान पर रहे। पुरुषों की ट्रैप टीम स्पर्धा में विवान (120), उदाइवीर (120) और जोरावर सिंह संधू (114) की भारतीय तिकड़ी 354 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रही। भारत का स्कोर पोलैंड और चेक गणराज्य के बराबर था, लेकिन अंतिम राउंड में कम स्कोर के कारण टीम पदक से चूक गई। कुवैत ने 356 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। पुरुषों की 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में अंकुर गोयल ने 583-19एक्स के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। उन्होंने प्रिसिजन चरण में 292 और रैपिड चरण में 291 अंक हासिल किए। लातविया के अर्नेस्ट्स एर्ब्स ने 588-24एक्स के साथ स्वर्ण और चेक गणराज्य के जिंदरिच डुबोवी ने 582-26एक्स के साथ कांस्य पदक जीता। अंकुर ने अमनप्रीत सिंह और राजकंवर सिंह संधू के साथ मिलकर टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय टीम ने कुल 1727-57एक्स का स्कोर किया। यूक्रेन ने 1735-47एक्स के साथ स्वर्ण और दक्षिण कोरिया ने 1731-46एक्स के साथ रजत पदक जीता। गुरुवार की स्पर्धाओं के बाद भारत पदक तालिका में 13 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत के खाते में दो स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक हैं। चीन 27 पदकों (13 स्वर्ण, छह रजत और आठ कांस्य) के साथ पहले, जबकि दक्षिण कोरिया 10 पदकों (दो स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है।



एनटीपीसी लारा में 21वीं राज्य अंतर-जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ

रायगढ़,एजेंसी। एनटीपीसी लारा स्थित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 21वीं सीनियर छत्तीसगढ़ राज्य अंतर-जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला वर्ग) का आज गुरुवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 36 पुरुष एवं 25 महिला टीमों सहित कुल 61 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के माननीय वित्त मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, टीम भावना एवं आत्मविश्वास को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने एनटीपीसी लारा द्वारा खेल एवं शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से किए जा रहे प्रयासों की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की यह पहल सराहनीय हैं। ऐसे प्रयासों से क्षेत्र के युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलते हैं।



इस अवसर पर एनटीपीसी लारा के परियोजना प्रमुख सुभाष ठाकुर ने अतिथियों एवं खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि एनटीपीसी विद्युत उत्पादन के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से क्षेत्र के सामाजिक एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा और खेल के क्षेत्र में स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना इस दिशा में प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी लारा द्वारा लगभग 6 करोड़ की सामाजिक उत्तरदायित्व सहायता से महलोई स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की कोचिंग तथा विद्यालयों में स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खेलों को बढ़ावा देने के लिए आसपास के गांवों में क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण तथा अंडर-15 एवं अंडर-17 राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में महलोई की तीन बेटियों ने लैक्रोस में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया में भारत का प्रतिनिधित्व कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। सुभाष ठाकुर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें उचित मंच, प्रशिक्षण और अवसर प्रदान करने की है। एनटीपीसी लारा इसी उद्देश्य के साथ स्थानीय युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में श्रेयस अय्यर करेंगे कप्तानी का पदार्पण, सीरीज जीत पर होंगी नजरें

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार को खेले जाने वाले चौथे वनडे मुकाबले में दोनों टीमें बड़े बदलावों के साथ उतरेंगी। श्रेयस अय्यर पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे चल रही भारतीय टीम की नजरें यह मुकाबला जीतकर श्रृंखला अपने नाम करने पर होंगी। वहीं, तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द होने के बाद न्यूजीलैंड के लिए श्रृंखला बचाने का एकमात्र रास्ता बाकी दोनों मुकाबले जीतना है।

अय्यर के लिए यह मुकाबला कप्तानी में पदार्पण के साथ बल्ले से खुद को साबित करने का भी मौका होगा। इस श्रृंखला में शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी कमजोरी एक बार फिर सामने आई है। वह अंतिम दो वनडे में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। शुभमन गिल 19 नवंबर से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। केएल राहुल और अंशुल कंबोज भी लाल गेंद से अपने खेल को बेहतर करने के लिए टीम छोड़ चुके हैं। इन बदलावों से रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिलने की उम्मीद है। टेस्ट श्रृंखला से पहले इन खिलाड़ियों के लिए मैदान पर समय बिताना उपयोगी होगा। गिल की गैर मौजूदगी में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा, यह देखना दिलचस्प होगा। इस दौड़ में ईशान किशन और रुतुराज गायकवाड़ शामिल हैं। हालांकि, गायकवाड़ ने अपने पिछले पांच वनडे मुकाबलों में मध्यक्रम में बल्लेबाजी की है। अनुभवी रोहित शर्मा भी इस दौरे पर बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। वह अब तक श्रृंखला में शून्य और 23 रन ही बना सके हैं। दूसरी ओर, चोट के कारण टी20 श्रृंखला के ज्यादातर मुकाबलों से बाहर रहे ईशान किशन भी वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। ईशान के सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरने की प्रबल संभावना है। उन्होंने चार साल पहले इसी क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए दोहरा शतक लगाया था। राहुल की गैरमौजूदगी में वह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाल सकते हैं। यदि गायकवाड़ मध्यक्रम में ही बल्लेबाजी करते हैं तो उनके पास खुद को साबित करने का अच्छा अवसर होगा। वह पिछले चार वनडे पारियों में एक शतक और एक अर्धशतक लगा चुके हैं। ऐसे में वह टीम के लिए उपयोगी विकल्प साबित हो सकते हैं। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज को शानदार फॉर्म में चल रहे अंशुल कंबोज की जगह मौका मिलने की उम्मीद है। सिराज पिछले तीन महीनों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दूर रहे हैं लेकिन पिछले सप्ताह भारत ए की ओर से खेलते हुए चार विकेट लेने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा होगा। यह भी दिलचस्प है कि अपनी प्रतिष्ठा के बावजूद सिराज को अब तक इस वनडे श्रृंखला में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला है।

एक नजर

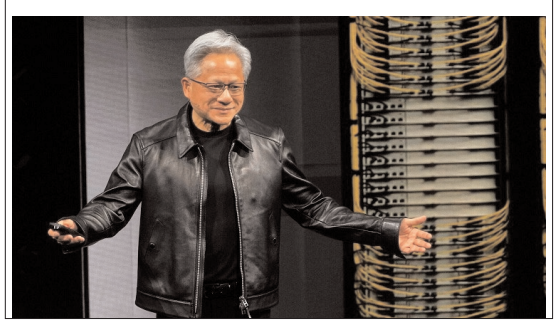
ओमान में घायल भारतीय नाविक से मिले राजदूत प्रशांत पिसे

मस्कट,एजेंसी। ओमान में भारत के राजदूत प्रशांत पिसे ने भारतीय जहाज एमएसवी कुबा पर हाल में हुए हमले में घायल नाविक से गुरुवार



को सोहर के एक अस्पताल में मुलाकात की। मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी दी। दूतावास के अनुसार, राजदूत पिसे ने घायल नाविक का हालचाल जाना और उसके उपचार में जुटी चिकित्सकीय टीम से बातचीत की। उन्होंने नाविक के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए उसके उपचार और ठीक होने की प्रक्रिया की जानकारी ली। दूतावास ने कहा कि वह इस मुश्किल समय में प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है तथा उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों पर चिंता जताते हुए तनाव तत्काल कम करने और कूटनीतिक समाधान के लिए जारी बातचीत पूरी करने की अपील पहले ही की थी। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप समुद्री मार्गों से नौवहन और व्यापार की निर्बाध आवाजाही जल्द बहाल की जानी चाहिए।

दो कथित विवाहेतर संबंधों के विवाद के बीच एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग का इस्तीफा



न्यूयॉर्क,एजेंसी। दुनिया की दिग्गज एआई चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही कंपनी में उनका 33 साल का नेतृत्व समाप्त हो गया। उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। कंपनी के निदेशक मंडल के अनुसार, हुआंग ने अध्यक्ष, सीईओ और बोर्ड सदस्य- तीनों पद छोड़ दिए हैं। हुआंग का इस्तीफा दो कथित विवाहेतर संबंधों को लेकर उठे विवाद और कंपनी की ओर से शुरू की गई जांच के बीच आया है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि उनका एक संबंध ऐसी महिला से था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह जताया गया है। दूसरा कथित संबंध एनवीडिया की एक महिला अधिकारी से बताया गया है। कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह वित्तीय अधिकारी का पद भी संभालती रहेंगी। निदेशक मंडल स्थायी सीईओ की नियुक्ति के लिए कंपनी के भीतर और बाहर से संभावित उम्मीदवारों पर विचार करेगा। वहीं, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने हुआंग के इस्तीफे को बड़ा और चौंकाने वाला घटनाक्रम बताया। उन्होंने कहा कि एनवीडिया अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद महत्वपूर्ण कंपनी है। जॉनसन के मुताबिक, पद छोड़कर हुआंग ने सही कदम उठाया है। एनवीडिया के निदेशक मंडल ने इससे पहले हुआंग के खिलाफ लगे आरोपों और संभावित विदेशी खुफिया गतिविधियों से जुड़े पहलुओं की स्वतंत्र जांच शुरू की थी। कंपनी ने कहा था कि फिलहाल उसके पास ऐसा कोई कारण नहीं है जिससे लगे कि राष्ट्रीय सुरक्षा या कंपनी की गोपनीय जानकारियों से समझौता हुआ है।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में इमारत ढही, आठ लोगों की मौत, 19 घायल



न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन स्थित फ्लैटबुश इलाके में बुधवार रात को एक इमारत ढहने से आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन दमकलकर्मी भी शामिल हैं। मेयर जोहरान ममदानी ने गुरुवार सुबह हादसे पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि इतने बड़े नुकसान पर शब्द कम पड़ जाते हैं। ममदानी के मुताबिक, मलबे में किसी के दबे होने की आशंका को देखते हुए बचाव दल ने खतरनाक परिस्थितियों के बीच पूरी रात तलाशी अभियान चलाया। न्यूयॉर्क अग्निशमन विभाग के अनुसार हादसे में घायल चार लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पांच अन्य लोगों को गंभीर, लेकिन जानलेवा नहीं होने वाली चोटें आई हैं, जबकि 10 लोगों को मामूली चोटों के कारण अस्पताल ले जाया गया। विभाग के आयुक्त अहमद तिगानी ने कहा कि हादसे के बाद न्यूयॉर्क के भवन विभाग ने इमारत ढहने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जांच में इमारत के सभी पहलुओं के साथ-साथ आसपास चल रहे निर्माण कार्य की भी पड़ताल की जाएगी। तिगानी के अनुसार भवन विभाग के निरीक्षक घटनास्थल पर मौजूद हैं और रातभर जांच में जुटे रहे। नगर परिषद की जोनिंग एवं फ्रेंचाइजी उपसमिति की अध्यक्ष फराह एन. लुई ने शहर की सभी संबंधित निगरानी एजेंसियों से इमारत के इतिहास और सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच करने की मांग की है। लुई ने कहा कि घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में किसी इमारत का इस तरह ढहना बेहद गंभीर मामला है। समुदाय को हादसे के कारणों और संभावित लापरवाही के बारे में स्पष्ट जवाब मिलने चाहिए।

नेपाल में बस हादसा, छठ मनाने जा रहे एक ही गांव के 10 लोगों की मौत, 6 घायल

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के मकवानपुर जिले में गुरुवार सुबह सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 6:10 बजे हुआ, जब काठमांडू से सर्लाही जा रही एक गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 700 मीटर नीचे खाई में गिर गई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त वाहन में 16 लोग सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही सशस्त्र प्रहरी बल के भीमफेदी सुरक्षा बेस से डीएसपी के नेतृत्व में बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा। नेपाली सेना और नेपाल पुलिस की संयुक्त टीम भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटी। दुर्घटना में जान गंवाने वालों में पांच पुरुष, तीन महिलाएं और दो बच्चियां शामिल हैं। मकवानपुर पुलिस के अनुसार, हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं।



प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, छठ पर्व मनाने के लिए सर्लाही स्थित अपने गांव लौट रहे यात्रियों की इलेक्ट्रिक माइक्रोबस भीमफेदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में घायल सर्लाही के चक्रघट्टा गांवपालिका निवासी मुकेश यादव ने बताया कि वे लोग दो गाड़ियों में सवार होकर गांव जा रहे थे। इनमें से आगे चल रही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पीछे आ रही दूसरी गाड़ी में सवार लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। बताया गया है कि दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी में सवार सभी लोग फल व्यवसायी परिवारों से जुड़े थे। मुकेश यादव के अनुसार, छठ मनाने के लिए वे लोग कुल 15 लोग एक गाड़ी में सवार होकर गांव लौट रहे थे। हेटौंडा अस्पताल में उपचार करा रहे मुकेश ने बताया कि उन्होंने ललितपुर के टीकाथली से इलेक्ट्रिक गाड़ी बुक की थी और रात करीब 2 बजे गांव के लिए रवाना हुए थे। गाड़ी में सवार अधिकांश लोग एक ही गांव के पड़ोसी और रिश्तेदार थे। हादसे में मुकेश के सिर और पीठ में चोट आई है, हालांकि उनकी स्थिति सामान्य बताई गई है। सक्षम के शरीर में अंदरूनी चोटें आई हैं और उनकी हालत भी सामान्य है। वहीं, एक अन्य घायल सुदन के सिर और मुंह में चोट लगी है तथा उनकी स्थिति मध्यम है। यह जानकारी सशस्त्र प्रहरी बल के सह-प्रवक्ता शैलेन्द्र थापा ने दी।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री टोपबहादुर रायमाझी जेल से रिहा



काठमांडू। नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल के नेता टोपबहादुर रायमाझी जेल से रिहा हो गए हैं। फर्जी भूटानी शरणार्थी घोटाले में सजा काट रहे रायमाझी को वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली कानूनी छूट के प्रावधान के तहत रिहा किया गया है। जेल प्रशासन ने बताया, 'उन्हें उनकी पत्नी और परिवार के कुछ अन्य सदस्यों को सौंप दिया गया। वह आज सुबह जेल से बाहर चले गए।' टोपबहादुर रायमाझी 65 वर्ष के हो चुके हैं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं का लाभ लेने के आधार पर रिहाई की मांग करते हुए अदालत में आवेदन दिया था।

उनके आवेदन के बाद अदालत ने संशोधित जेल वारंट जारी करते हुए वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली कानूनी छूट का लाभ देने का आदेश दिया। काठमांडू जिला अदालत ने इस फैसले की जानकारी देते हुए जेल प्रशासन को पत्र भी भेजा था। मौजूदा कानूनी प्रावधान के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों को जेल की सजा में 25 प्रतिशत की छूट देने का प्रावधान है। फर्जी भूटानी शरणार्थी घोटाले में रायमाझी को 15 मई 2023 को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में उन्हें चार साल की कैद और 40 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने पूर्व उपप्रधानमंत्री को ठगी, संगठित अपराध और राज्य के खिलाफ अपराध का दोषी ठहराया था। अदालत ने ठगी के मामले में दो साल की कैद और 20 हजार रुपये जुर्माना, संगठित अपराध में तीन साल की कैद और 30 हजार रुपये जुर्माना तथा राज्य के खिलाफ अपराध में एक साल छह महीने की कैद और 15 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसी अपराध के तहत अतिरिक्त छह महीने की कैद भी सुनाई गई थी। हालांकि, अलग-अलग अपराधों में सुनाई गई सजाओं की अवधि एक-दूसरे के साथ जुड़ने के कारण अदालत ने सभी सजाओं का समायोजन करते हुए कुल चार साल की कैद और 40 हजार रुपये जुर्माने का अंतिम फैसला सुनाया था।

भोटेकोशी बाढ़ के बाद फिर गुलजार होने लगा गोसाईंकुंड, घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ी

काठमांडू। धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता से समृद्ध नेपाल के रसुवा जिले स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल गोसाईंकुंड में एक बार फिर घरेलू और विदेशी पर्यटकों का आगमन बढ़ने लगा है। बीते 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ से सड़क और पैदल मार्गों को नुकसान पहुंचने के बाद यहां का पर्यटन कारोबार प्रभावित हो गया था। हालांकि, अब आवागमन धीरे-धीरे सुगम होने के साथ पर्यटन गतिविधियां भी पटरी पर लौटने लगी हैं। गोसाईंकुंड गांवपालिका के अध्यक्ष कैसांग नुर्पु तामांग ने बताया कि बाढ़ के बाद कुछ समय तक सुस्त पड़ा पर्यटन क्षेत्र फिर से सक्रिय होने लगा है।

पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल व्यवसायियों, गाइडों, परिवहन मजदूरों और अन्य छोटे कारोबारियों को राहत मिलने लगी है। अध्यक्ष तामांग ने कहा, 'बाढ़ के बाद कुछ समय तक पर्यटन गतिविधियां लगभग ठप हो गई थीं। अब रास्ते सुगम होने के साथ घरेलू और विदेशी पर्यटक आने लगे हैं।' उन्होंने बताया कि गांवपालिका पैदल मार्गों की मरम्मत और पर्यटकों की सुरक्षा तथा सुविधा के लिए आवश्यक समन्वय कर रही है। लांगटांग राष्ट्रीय निकुंज के सूचना अधिकारी एवं संरक्षण अधिकारी गणेश प्रसाद तिवारी ने भी बताया कि बाढ़ के बाद बाधित हुआ आवागमन सुचारु होने के साथ गोसाईंकुंड क्षेत्र में पर्यटकों का आगमन नियमित होने लगा है। उन्होंने कहा कि निकुंज की ओर से यहां के प्राकृतिक पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। नागरिक समाज रसुवा के अध्यक्ष बाबुलाल तामांग के अनुसार, सड़क और पैदल मार्गों की स्थिति में सुधार होने के बाद गोसाईंकुंड आने वाले तीर्थयात्रियों और ट्रेकर्स की संख्या बढ़ने लगी है। बाढ़ से रास्तों को नुकसान पहुंचने के कारण कुछ समय तक पर्यटन गतिविधियां प्रभावित रही थीं। स्थानीय होटल व्यवसायी संतोष घले ने बताया कि पिछले कुछ समय से गोसाईंकुंड पहुंचने वाले घरेलू पर्यटकों और युवाओं की संख्या बढ़ रही है। पहले यहां जनै पूर्णिमा और गंगा दशहरा के अवसर पर ही तीर्थयात्रियों की अधिक भीड़ रहती थी लेकिन अब सालभर ट्रेकिंग और घूमने के लिए पर्यटक आने लगे हैं।

पाकिस्तान की असेंबली में सदस्यों को सरकार, न्यायपालिका, सशस्त्र बलों के खिलाफ बोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी : स्पीकर

साहीवाल (पंजाब) पाकिस्तान। नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने बुधवार को कहा कि हर चुने हुए प्रतिनिधि को संसद में बोलने और जनता की चिंताओं को रखने का संवैधानिक अधिकार है लेकिन किसी भी सदस्य को सदन के मंच का इस्तेमाल पाकिस्तान की सरकार, न्यायपालिका या सशस्त्र बलों के खिलाफ बोलने के लिए करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नेशनल असेंबली के स्पीकर यहां ऑफिसर्स कॉलोनी में दिवंगत पूर्व सांसद (एमएनए) चौधरी मोहम्मद अशरफ के आवास पर उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे।

डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, स्पीकर ने दिवंगत नेता के दामाद मियां गफ्फारुल हक से मुलाकात की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। संसद के कामकाज का जिक्र करते हुए सादिक ने कहा कि नेशनल असेंबली लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने और विधायी प्रक्रिया में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की सार्थक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नेशनल असेंबली कोई रबर स्टैम्प (केवल नाममात्र की संस्था) नहीं है बल्कि एक जीवंत लोकतांत्रिक मंच है जो लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने, संसदीय नियमों की रक्षा करने और सभी राजनीतिक विचारों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने में प्रभावी भूमिका निभाता है। सादिक ने कहा कि विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण मौकों पर बोलने का समय आठ घंटे से बढ़ा कर तेरह घंटे कर दिया



गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो सके और निष्पक्षता तथा संसदीय न्याय के सिद्धांतों को कायम रखा जा सके। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा अगर विपक्षी सांसद संसदीय समितियों में शामिल न हों और इन समितियों के कामकाज में अपना योगदान न दें। सादिक ने कहा, 'मैं एक ऐसा स्पीकर बनना चाहता हूं जिस पर कोई विवाद न हो। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों पर टिप्पणी करते हुए सादिक ने सरकार को गिराने की कोशिशों से जुड़े दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें अकसर वे लोग या समूह फैलाते हैं, जो चुनाव प्रक्रिया के जरिए जनता का समर्थन हासिल करने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतांत्रिक संस्थानों को संवैधानिक और संसदीय तरीकों से मजबूत किया जाना चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्री ने उठाया हिमालयी क्षेत्र की आपदा सुरक्षा का मुद्दा, प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली पर जोर

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों की जलवायु संवेदनशीलता और आपदाओं के साझा खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए देशों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और मजबूत आपदा प्रतिरोधी व्यवस्था विकसित करना जरूरी है।

तुर्किये के अंताल्या में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (ष्टह्वक्क31) के दौरान नेपाल पवेलियन के एक साइड इवेंट को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री खनाल ने यह बात कही। 'हिंदूकुश हिमालय के लिए क्षेत्रीय सहयोग तंत्र : सीमापार जलवायु आपदाओं से मिले सबक' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के नीति निर्माता, क्षेत्रीय विशेषज्ञ, जलवायु कार्यकर्ता और ष्टह्वक्क31 में भाग ले रहे अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए। अपने मुख्य संबोधन में खनाल ने कहा कि पृथ्वी के पारिस्थितिक स्वास्थ्य और मानवता के सामूहिक कल्याण की रक्षा के लिए क्षेत्रीय और वैश्विक एकजुटता को मजबूत करना आवश्यक है। इसके लिए विभिन्न हितधारकों के बीच साझेदारी बढ़ाने के साथ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, अनुकूलन, तकनीक हस्तांतरण और ज्ञान एवं सफल अनुभवों के आदान-



प्रदान पर नीतिगत समन्वय और सहयोग बढ़ाना होगा। विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने ष्टह्वक्क31 के दौरान 'सभी के लिए पूर्व चेतावनी: प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा के वादे को पूरा करना' विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय कार्यक्रम को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पर्वतीय समुदायों की सुरक्षा में पूर्व चेतावनी प्रणाली (Early Warning System) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। नेपाल में हाल की आपदाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'आपदा के शुरुआती मिनटों में हमारी पूर्व चेतावनी प्रणाली ने लाखों एसएमएस भेजे और निचले इलाकों के समुदायों तक स्थानीय स्तर पर चेतावनी भी पहुंची लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली जीवन और खतरे के बीच अंतर पैदा करने वाली महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसलिए केवल चेतावनी जारी करना पर्याप्त नहीं है बल्कि यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि समय पर सही सूचना प्रभावित क्षेत्रों के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे और उसके आधार पर तत्काल कार्रवाई हो सके। इस उद्देश्य से विदेश मंत्री ने पांच प्रमुख प्राथमिकताओं पर जोर दिया। पर्वतीय क्षेत्रों में निगरानी व्यवस्था मजबूत करना: ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम और आपदा संबंधी निगरानी की कमियों को दूर करने के लिए रियल टाइम टेलीमेट्री, उपग्रह रिमोट सेंसिंग और हिमनद क्षेत्रों की निगरानी प्रणाली विकसित की जाए। इसके लिए जटिल पर्वतीय भूगोल के अनुरूप तकनीक का इस्तेमाल जरूरी है। स्थानीय स्तर तक चेतावनी पहुंचाना: पूर्व चेतावनी प्रणाली में अंतिम छोर तक सूचना पहुंचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए स्थानीय भाषाओं में आसानी से समझ आने वाली चेतावनियां जारी करने और आपदा आने से पहले आवश्यक कार्रवाई करने की व्यवस्था विकसित की जाए। सीमापार सूचना साझेदारी बढ़ाना: नेपाल की 'सगरमाथा से समुद्र तक' (Sagarmatha to the Sea) की अवधारणा के अनुरूप पड़ोसी देशों के बीच मौसम, जल प्रवाह और आपदा संबंधी आंकड़ों का आदान-प्रदान मजबूत किया जाए। जलवायु वित्तपोषण को सुलभ बनाना: सभी देशों और समुदायों तक सुरक्षा व्यवस्था पहुंचाने के लिए अनुमानित, आसानी से उपलब्ध और अनुदान आधारित जलवायु वित्तपोषण सुनिश्चित किया जाए।

इमरान खान का परिवार पहली बार पर्दे के पीछे से होने वाली वार्ता में शामिल

इस्लामाबाद। देश के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ' (पीटीआई) और अधिकारियों के बीच 'बैक चैनल' (पर्दे के पीछे से होने वाली) बातचीत में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। बताया जा रहा है कि पहली बार इमरान खान का परिवार सीधे इस प्रक्रिया में शामिल हुआ है। इससे आने वाले दिनों में किसी बड़े समाधान की उम्मीद जगी है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार का इसमें शामिल होना बढ़ते राजनीतिक तनाव को कम करने और इमरान खान, उनके परिवार और पीटीआई के सामने मौजूद मुद्दों को टकराव के बजाय बातचीत के जरिए सुलझाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों का कहना है कि हाल की बातचीत से कुछ प्रगति हुई है, जिसमें इमरान खान के परिवार के सदस्यों और उनकी बहनों की मुलाकात का रास्ता साफ होना भी शामिल है। इसे आगे की बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

ऐसी भी उम्मीदें हैं कि आने वाले दिनों में कुछ ठोस नतीजे सामने आ सकते हैं, जिसमें इमरान खान की कम-से-कम दो बहनों की रिहाई की संभावना भी शामिल है। हालांकि, उनकी रिहाई को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा या पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि इस बैक चैनल पहल में पीटीआई की ओर से कुछ अहम लोग और सरकारी पक्ष के कुछ अधिकारी शामिल हैं। हालांकि, बातचीत में शामिल सरकारी प्रतिनिधि अभी अपनी पहचान उजागर करने या सार्वजनिक रूप से अपनी भूमिका स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। माना जा रहा है कि पीटीआई चेयरमैन बैरिस्टर गौहर अली खान इस बातचीत को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जब उनसे इस बारे में टिप्पणी मांगी गई तो उन्होंने इस बातचीत के किसी भी पहलू पर बात करने से इनकार कर दिया और कहा कि वह ऐसे मामलों पर कुछ नहीं कह सकते। इमरान खान के बहनोई अहद खान ने मीडिया से बातचीत में बैक चैनल संपर्कों की बात स्वीकार की है। यह नया घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब राजनीतिक माहौल काफी तनावपूर्ण है। लगातार टकराव, सार्वजनिक बयानबाजी और तीखे तेवरों के बावजूद अब तक कोई सार्थक समाधान नहीं निकल पाया है। इसके उलट, जारी गतिरोध ने पीटीआई नेतृत्व, इमरान खान के परिवार और अधिकारियों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। इस पहल से जुड़े लोगों का मानना है कि इमरान खान के परिवार के शामिल होने से बातचीत के नए रास्ते खुल सकते हैं और एक अधिक रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए जगह बन सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक मतभेदों को और गहरा होने देने के बजाय, बातचीत और आपसी जुड़ाव के जरिए विवादित मुद्दों को सुलझाना लगता है। इसमें परिवार के सदस्यों की भागीदारी काफी अहम है क्योंकि इमरान खान और उनके रिश्तेदारों से जुड़े मुद्दे अब व्यापक राजनीतिक टकराव का हिस्सा बन गए हैं।

एक नजर

जेनसन हुआंग ने एनवीडिया के अध्यक्ष एवं सीईओ पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली,एजेंसी। कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे अग्रणी और प्रमुख कंपनी एनवीडिया के सह-संस्थापक जेनसन हुआंग ने गुरुवार को तत्काल प्रभाव से कंपनी के अध्यक्ष, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और निदेशक मंडल के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद कंपनी ने मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की। हालांकि, कंपनी के बयान में हुआंग के इस्तीफे की वजह नहीं बताई गई है। इसके साथ ही एनवीडिया ने स्थायी उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि निदेशक मंडल स्थायी सीईओ के चयन के लिए आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह के उम्मीदवारों पर विचार करेगा। क्रेस अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी संभालने के साथ सीएफओ का दायित्व भी निभाती रहेंगी। इसके अलावा अमेरिकी कंपनी ने हार्वे सी. जोन्स को निदेशक मंडल का पहला अध्यक्ष भी नियुक्त किया है। जोन्स इससे पहले चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर कंपनी सिनॉप्सिस के सीईओ और कार्यकारी चेयरमैन रह चुके हैं। जोन्स ने क्रेस को अंतरिम सीईओ बनाए जाने पर कहा, ''कोलेट ने एनवीडिया की असाधारण वृद्धि के दौर में नेतृत्व करने में मदद की है। उन्हें हमारे कारोबार, ग्राहकों, परिचालन और वित्तीय स्थिति की गहरी समझ है। क्रेस ने कहा कि वह 'पिछले 33 वर्षों में जेनसन (हुआंग) की ओर से तैयार की गई असाधारण नींव को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' इस बीच, एनवीडिया ने कहा कि वह जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे 17 नवंबर को अपने पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी करेगी। हुआंग के इस्तीफे से कुछ दिन पहले मीडिया में उनके एक चीनी कारोबारी महिला के साथ विवाहेतर संबंध होने की खबरें आई थीं। अमेरिकी अधिकारियों को इस महिला पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह जताया था। उल्लेखनीय है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने इसके बाद स्वतंत्र जांच शुरू की थी कि कहीं हुआंग किसी विदेशी खुफिया अभियान का निशाना तो नहीं बने थे।

रवींद्रनाथ टैगोर और काजी नजरुल इस्लाम की तस्वीरों पर कालिख पोतने का आरोप, आरामबाग में भारी आक्रोश



हुगली,एजेंसी। बंगाल के दो महान विभूतियों, विश्वकवि रवींद्रनाथ टैगोर और विद्रोही कवि काजी नजरुल इस्लाम की तस्वीरों पर कालिख पोतने के आरोप को लेकर हुगली जिले के आरामबाग के 12 नंबर वार्ड में भारी सनसनी फैल गई है। घटना हरिपुर सैयदिया प्राथमिक विद्यालय में हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पूजा की छुट्टियों के कारण फिलहाल विद्यालय बंद है। गुरुवार को विद्यालय के प्रधानाध्यापक स्कूल पहुंचे तो उन्होंने सबसे पहले इस घटना को देखा। उन्होंने स्थानीय निवासियों को इसकी सूचना दी। खबर फैलते ही विद्यालय परिसर में लोगों की भीड़ जुटने लगी। दोनों महान विभूतियों की तस्वीरों के साथ इस तरह की हरकत सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि रवींद्रनाथ टैगोर और काजी नजरुल इस्लाम केवल बंगाल ही नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव हैं। शिक्षण संस्थान में उनकी तस्वीरों के साथ इस तरह का अपमानजनक व्यवहार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस मामले को लेकर आरामबाग थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई। लोगों ने घटना में शामिल आरोपितों की जल्द पहचान कर गिरफ्तारी और कड़ी सजा देने की मांग की है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किन लोगों ने और किस उद्देश्य से विद्यालय में प्रवेश कर इस घटना को अंजाम दिया। इस घटना के पीछे कौन लोग हैं, इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल, दोनों महान विभूतियों की तस्वीरों पर कालिख पोतने की घटना को लेकर पूरे इलाके में आक्रोश और सनसनी का माहौल है।

स्मार्टफोन से एक मिनट में मिल सकता है जल प्रदूषण का संकेत, प्रकाश की मदद से होगी अदृश्य कणों की पहचान

- आईआईटी मद्रास के प्रो. अशोक कुमार मिश्रा ने बताई फ्लोरेसेंस तकनीक की उपयोगिता
- गंगा-यमुना के पानी की शुरुआती जाँच से लेकर दवाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा तक बढ़ रहा इसका दायरा

प्रयागराज,एजेंसी। देखने में साफ पानी भी प्रदूषित हो सकता है। अब विशेष परीक्षण पट्टी, छोटे प्रकाशीय उपकरण और स्मार्टफोन कैमरे की मदद से एक मिनट से भी कम समय में पानी में मलजनित प्रदूषण का संकेत मिल सकता है। प्रकाश की इस विशेषता का उपयोग गंगा-यमुना के जल की शुरुआती जाँच से लेकर दवाओं की गुणवत्ता, संक्रमण से जुड़े जैविक संकेतकों और पर्यावरण में मौजूद अदृश्य कणों की पहचान तक किया जा सकता है।

आईआईटी मद्रास के इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफेसर प्रो. अशोक कुमार मिश्रा ने गुरुवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फ्लोरेसेंस तकनीक की इन्हीं संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग और यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स 'केमिस्ट्री फॉर लाइफ एंड सस्टेनेबल एम्पावरमेंट' के नौवें दिन प्रो. मिश्रा ने 'अंडरस्टैंडिंग फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड इट्स रेंज ऑफ एप्लीकेशन पोटेंशियल' विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी में कुछ अणुओं द्वारा प्रकाश अवशोषित करने के बाद उत्सर्जित प्रकाश का अध्ययन किया जाता है। इस तकनीक की संवेदनशीलता इतनी अधिक है कि पदार्थों की बहुत कम मात्रा का भी पता लगाया जा सकता है। प्रो. मिश्रा और शोधकर्ता स्वयं प्रकाश ने वर्ष 2025 में 'केमिस्ट्री-एन एशियन जर्नल' में प्रकाशित शोधपत्र में जल में मलजनित प्रदूषण से जुड़े यूरोबिलिन और स्टर्कोबिलिन जैसे संकेतक पदार्थों की पहचान में फ्लोरेसेंस की उपयोगिता बताई थी। इसके बाद फरवरी 2026 में स्वयं प्रकाश और जर्मनी के शोधकर्ताओं ने 'एसीएस सेंसर्स' में एक पोर्टेबल तकनीक का विवरण प्रकाशित किया। इसमें विशेष परीक्षण पट्टी, छोटे प्रकाशीय उपकरण और स्मार्टफोन कैमरे की मदद से एक मिनट से कम समय में पानी में यूरोबिलिन की पहचान की गई। इस तकनीक को तीन नदियों और एक अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र से लिए गए नमूनों पर भी परखा गया।

प्रयागराज में गंगा और यमुना के जल की गुणवत्ता की शुरुआती निगरानी में भविष्य में ऐसी तकनीक उपयोगी हो सकती है। हालांकि, इससे प्रदूषण का प्रारंभिक संकेत ही मिलता है। पानी पीने योग्य है या नहीं, इसकी पुष्टि के लिए विस्तृत वैज्ञानिक परीक्षण जरूरी होंगे। फ्लोरेसेंस आधारित तकनीकों का इस्तेमाल दवाओं के विश्लेषण, उनमें मौजूद अशुद्धियों की पहचान और बैक्टीरिया तथा संक्रमण से जुड़े जैविक संकेतकों के अध्ययन में भी किया जा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग की मदद से जटिल फ्लोरेसेंस संकेतों का विश्लेषण कर जल की गुणवत्ता की जाँच को अधिक प्रभावी बनाने के प्रयास हो रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी इस तकनीक की उपयोगिता बढ़ रही है। डीआरडीओ की ओर से विकसित या अध्ययन की गई पराबैंगनी लेजर आधारित फ्लोरेसेंस तकनीकें हवा में मौजूद कुछ जैविक कणों की दूर से शुरुआती पहचान में सहायक हो सकती हैं। वहीं, ड्रोन और प्रकाशीय सेंसर के संयोजन से बड़े जलक्षेत्रों की पर्यावरणीय निगरानी की जा सकती है। फ्लोरेसेंस से जुड़ी वैज्ञानिक प्रगति का महत्व 2008 में ग्रीन फ्लोरेसेंट प्रोटीन, 2014 में सुपर-रिजॉल्यूशन फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोपी और 2023 में क्वांटम डॉट्स से जुड़े रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कारों से भी स्पष्ट होता है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. अरविंद मिश्र ने 'एन आइडिया ऑफ सम फोटोफिजिकल प्रोसेसेज एंड देयर एप्लीकेशंस' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रकाश के अवशोषण के बाद अणुओं के व्यवहार और फ्लोरेसेंस, आणविक सेंसर, जैविक इमेजिंग तथा उन्नत पदार्थों में इसके उपयोग की जानकारी दी। पूर्व में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से संबद्ध रहे प्रो. आरडी कौशिक ने शोध की गुणवत्ता और शोधपत्र लेखन पर व्याख्यान दिया।

सर्राफा बाजार में फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में भी गिरावट

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह, चांदी के भाव में आज शुरुआती कारोबार में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में बदलाव होने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

उत्तराखंड में 24 पीसीएस अधिकारियों के तबादले, कई जिलों में बदले डिप्टी कलेक्टर



देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड शासन ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) के 24 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस फेरबदल में देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार, टिहरी, ऊधमसिंह नगर, चमोली, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा और रुद्रप्रयाग जिलों में डिप्टी कलेक्टरों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं।

कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-1 की ओर से गुरुवार को जारी आदेश के अनुसार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती दी गई है। शासनादेश के अनुसार चमोली के डिप्टी कलेक्टर राजकुमार पांडेय को देहरादून, उत्तरकाशी के बृजेश कुमार तिवारी को टिहरी और ऊधमसिंह नगर के अमय प्रताप सिंह को देहरादून भेजा गया है। रुद्रपुर नगर निगम में उप नगर आयुक्त रहीं शिप्रा जोशी को नैनीताल का डिप्टी कलेक्टर बनाया गया है। देहरादून के डिप्टी कलेक्टर रहे अर्पणा ढौंडियाल को डोईवाला चीनी मिल का अधिशासी निदेशक बनाया गया है, जबकि डोईवाला चीनी मिल के अधिशासी निदेशक अजयवीर सिंह को टिहरी में डिप्टी कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है। ऊधमसिंह नगर के डिप्टी कलेक्टर तुषार सैनी को नैनीताल और पौड़ी के डिप्टी कलेक्टर मनोज बिष्ट को प्रशासन एवं मॉनिटरिंग निदेशक, पंतनगर तथा मुख्य कार्मिक अधिकारी, पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उत्तरकाशी के डिप्टी कलेक्टर देवानंद को पौड़ी गढ़वाल, ऊधमसिंह नगर के गौरव पांडेय को नैनीताल, देहरादून की कुमकुम जोशी को हरिद्वार तथा नैनीताल की रेखा कोहली को ऊधमसिंह नगर भेजा गया है। उत्तरकाशी के मुकेश चंद्र सनोला को देहरादून, ऊधमसिंह नगर की अमृता शर्मा को नैनीताल, नैनीताल के नवाबिज खान को अल्मोड़ा और पौड़ी की शालिनी मोर्य को हरिद्वार में डिप्टी कलेक्टर बनाया गया है। इसके अलावा चमोली के चंद्रशेखर को उत्तरकाशी, टिहरी की मंजू राजपूत को हरिद्वार और चमोली के अबरार अहमद को उत्तरकाशी भेजा गया है। अल्मोड़ा के सुनील कुमार को रुद्रप्रयाग, चम्पावत की नीतू डागर को हरिद्वार, अल्मोड़ा के संजय कुमार को ऊधमसिंह नगर, पौड़ी की रेखा को ऊधमसिंह नगर और रुद्रप्रयाग के कृष्णा त्रिपाठी को चमोली में डिप्टी कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है। शासन ने संबंधित अधिकारियों को वर्तमान तैनाती से कार्यमुक्त होकर नई तैनाती पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।

पंजाब में आआपा के दो सांसद लड़ेंगे विधानसभा चुनाव



चंडीगढ़,एजेंसी। पंजाब में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने गुरुवार को 31 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में पार्टी ने दो मौजूदा सांसदों और चार महिला उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं, सात मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर नए चेहरों पर भरोसा जताया गया है। आम आदमी पार्टी ने सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल को फगवाड़ा और सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर को बरनाला विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित किया है। दोनों सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारना पार्टी का महत्वपूर्ण चुनावी फैसला माना जा रहा है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी द्वारा अब तक घोषित उम्मीदवारों की कुल संख्या 71 हो गई है। इससे पहले पार्टी ने 31 अक्टूबर को 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी।

आम आदमी पार्टी की ओर से जारी दूसरी सूची में निम्नलिखित उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा गया है। सुजानपुर से स्वर्ण सलारिया, पठानकोट से रोहित स्याल, गुरदासपुर से रमन बहल, दीनानगर से शमशेर सिंह, कादियां से गुर इकबाल सिंह माहल, फतेहगढ़ चूड़ियां से हरजोत बंटी सिंह रंधावा (जोबन रंधावा), राजा सांसी से सोनिया मान, मजीठा से तलविंदर सिंह गिल, अमृतसर उत्तर से करमजीत सिंह रिंटू, पट्टी से जसकंवर सिंह गिल (जस्सा पट्टी), भोलथ से एडवोकेट हरसिमरन सिंह, कपूरथला से दविंदर पाल सिंह रंगा, फगवाड़ा से डॉ. राजकुमार चब्बेवाल, फिल्लौर से हरजोत कौर लोहटिया, शाहकोट से बलवीर सिंह पाला जलालपुर, जालंधर सेंट्रल से नितिन कोहली, जालंधर उत्तर से वनीत धीर, जालंधर कैंट से दीपक बाली, आदमपुर से पवन कुमार टीनू, मुकेरियां से सरबजोत सिंह साबी, नवांशहर से रॉबी कंग, चमकौर साहिब से जसवीर सिंह गढ़ी, खरड़ से परमिंदर सिंह गोल्डी, दाखा से डॉ. केएनएस कंग, जगरांव से सरबजीत कौर माणुके, अबोहर से डॉ. सुहानी डोडा, बल्लुआना से अमनदीप सिंह गोल्डी मुसाफिर, लंबी से रणधीर सिंह धीरा खुड्डियां, बठिंडा ग्रामीण से गोपाल सिंह, बरनाला से गुरमीत सिंह मीत हेयर, शुतराना से वनिंदर कौर लूंबा को चुनाव मैदान में उतारा है।

दो सांसद लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

आम आदमी पार्टी की दूसरी सूची में सबसे अहम फैसला दो मौजूदा सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारने का रहा है। होशियारपुर से सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल को फगवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है, जबकि संगरूर से सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर को बरनाला से उम्मीदवार बनाया गया है। दोनों नेताओं को विधानसभा चुनाव में उतारने के फैसले के बाद पंजाब के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सात मौजूदा विधायकों के कटे टिकट

आम आदमी पार्टी ने दूसरी सूची में सात मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए हैं। पार्टी ने कई विधानसभा क्षेत्रों में नए उम्मीदवारों को मौका देकर चुनावी समीकरण साधने का प्रयास किया है। वहीं, कई पुराने चेहरों पर भी दोबारा भरोसा जताया गया है।

अब तक 71 उम्मीदवारों की घोषणा, 46 सीटों पर बाकी फैसला

पंजाब की कुल 117 विधानसभा सीटों में से आम आदमी पार्टी अब तक 71 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। पार्टी ने 31 अक्टूबर को 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जबकि अब 31 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की गई है। इसके बाद प्रदेश की शेष 46 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा होना बाकी है। आम आदमी पार्टी की ओर से चुनाव से पहले लगातार उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाने से पंजाब में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं।

त्योहारी सीजन और मेगा इश्यू के दबाव से प्राइमरी मार्केट पर लगा ब्रेक, जल्द लौटेगी प्राइमरी मार्केट की रौनक



नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के प्राइमरी मार्केट में सितंबर और अक्टूबर के दौरान जबरदस्त हलचल देखने को मिली। इन दोनों महीनों के दौरान कंपनियों ने आईपीओ के जरिए निवेशकों से बड़ी रकम जुटाई। लेकिन नवंबर की शुरुआत होते ही इस रफ्तार पर अचानक ब्रेक लग गया है। इस महीने के शुरुआती 12 दिनों में अब तक कोई नया मेनबोर्ड आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए नहीं खुला है। हालांकि अभी भी 123 कंपनियां ऐसी हैं, जिन्हें मार्केट रेगुलेटर सेबी की ओर से आईपीओ लाने की मंजूरी मिल चुकी है और वे सेकेंड्री मार्केट में सही माहौल बनने का इंतजार कर रही हैं। प्राइमरी मार्केट के लिए सितंबर और अक्टूबर का महीना काफी शानदार रहा था। सितंबर में कुल 34 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 39,381 करोड़ रुपये जुटाए। इसमें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आईपीओ की अहम भूमिका रही। अकेले इस इश्यू से 22,563 करोड़ रुपये जुटाए गए।

अक्टूबर में आईपीओ बाजार ने सितंबर का आंकड़ा भी पीछे छोड़ दिया। इस दौरान 13 कंपनियों ने कुल 44,506 करोड़ रुपये जुटाए। इस तरह दोनों महीनों में कंपनियों ने मिलकर 83,887 करोड़ रुपये की पूंजी बाजार से हासिल की। अक्टूबर की फंडिंग में सबसे बड़ा योगदान जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ का रहा। कंपनी ने इस इश्यू के जरिए 30,188 करोड़ रुपये जुटाए। यह भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ बना। इससे पहले ह्युंडई मोटर इंडिया का 27,859 करोड़ रुपये का आईपीओ इस मामले में सबसे आगे था।

जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ 21 से 23 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। कंपनी ने शेयर का इश्यू प्राइस 1,119 रुपये तय किया था। 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में इसकी लिस्टिंग हुई। शेयर ने करीब 21.4 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 1,358 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इतने बड़े आईपीओ में निवेशकों की भारी भागीदारी ने एक तरफ भारतीय पूंजी बाजार की क्षमता दिखाई, वहीं दूसरी तरफ इसका असर दूसरे प्रस्तावित आईपीओ पर भी पड़ा। कई कंपनियों और उनके मर्चेंट बैंकरों ने अपने इश्यू की लॉन्चिंग को इसकी वजह से ही आगे बढ़ाना बेहतर समझा। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि किसी बड़े आईपीओ के बाजार में आने पर निवेशकों की बड़ी रकम उसमें लग सकती है। ऐसे में छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों के लिए पर्याप्त संख्या में निवेशक जुटाना मुश्किल हो सकता है। ऐसे वक्त पर पर्याप्त संख्या में निवेशकों के नहीं जुट पाने से इश्यू फ्लॉप भी हो सकता है। यही कारण है कि कई कंपनियां जियो के इश्यू के दौरान बाजार में उतरने से बचती रहीं। हालांकि, बाजार के जानकारों का कहना है कि इसे प्राइमरी मार्केट के प्रति निवेशकों की घटती दिलचस्पी नहीं मानना चाहिए। इसकी एक वजह त्योहारी सीजन रहा है। त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद आने वाले दिनों में प्राइमरी मार्केट की गतिविधियां फिर बढ़ने की उम्मीद है। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि नवंबर में आईपीओ एक्टिविटी कम रहने की एक बड़ी वजह त्योहारों का सीजन है। इस दौरान कंपनियों, इन्वेस्टमेंट बैंकरों और संस्थागत निवेशकों की कई बैठकें टल जाती हैं। बाजार से जुड़े लोगों की उपलब्धता भी कम रहती है। ऐसे में आईपीओ की तैयारी और लॉन्चिंग की प्रक्रिया प्रभावित होती है। उनका मानना है कि बाजार का सेंटिमेंट कमजोर नहीं हुआ है। निवेशकों की दिलचस्पी भी बनी हुई है इसलिए मौजूदा सुस्ती को स्थायी गिरावट के रूप में देखना सही नहीं होगा। नवंबर में आईपीओ बाजार की अगली बड़ी हलचल क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के इश्यू से शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी का करीब 550 करोड़ रुपये का आईपीओ 18 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस इश्यू के बाजार में आने के बाद दूसरे प्रस्तावित आईपीओ की लॉन्चिंग को लेकर भी तस्वीर साफ हो सकती है। हालांकि, आगे कितनी कंपनियां बाजार में उतरेंगी, यह काफी हद तक बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। हालांकि नवंबर के बाद साल के आखिरी महीने दिसंबर में एक बार फिर आईपीओ बाजार (प्राइमरी मार्केट) की रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

वाराणसी : चाइनीज मांझे के खिलाफ उत्तर प्रदेश भाईचारा कमेटी ने चलाया जागरूकता अभियान

डाला छठ पर घाटों और तालाबों के आसपास ड्रोन से निगरानी कराने की मांग



वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में जानलेवा चाइनीज मांझे के खिलाफ उत्तर प्रदेश भाईचारा कमेटी ने गुरुवार को गिरजाघर स्थित पेट्रोल पंप के पास जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दूसरे चरण में कमेटी के पदाधिकारियों ने राहगीरों और आम नागरिकों को चाइनीज मांझे से होने वाले जानलेवा हादसों के प्रति जागरूक किया। साथ ही लोगों से इसके इस्तेमाल और बिक्री का बहिष्कार करने की अपील की। अभियान के दौरान वक्ताओं ने कहा कि शुक्रवार से शुरू हो रहे डाला छठ पर्व के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चाइनीज मांझे पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाना जरूरी है। गंगा घाटों, तालाबों और कुंडों के आसपास विशेष सतर्कता बरतने के साथ ड्रोन के माध्यम से चाइनीज मांझे की निगरानी कराई जानी चाहिए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। वक्ताओं ने कहा कि चाइनीज मांझे के कारण आए दिन मनुष्य ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षी भी इसकी चपेट में आकर अपनी जान गंवा रहे हैं। इसके बावजूद शहर की कई सामाजिक संस्थाओं की चुप्पी चिंता का विषय है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए काशी के नागरिकों, समाजसेवियों, सामाजिक संगठनों और सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर इसके खिलाफ आवाज बुलंद करनी होगी।

कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद वर्मा मौर्य ने कहा कि 'चाइनीज मांझे का बहिष्कार करो, जागो और जगाओ' अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे न तो चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करें और न ही इसकी खरीद-बिक्री को बढ़ावा दें। जनसहयोग और सामूहिक प्रयास से ही इस जानलेवा खतरे पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। कार्यक्रम में रोटरी डिस्ट्रिक्ट के जोनल चेयरमैन वीरेंद्र कपूर, महेश्वरी, दीपक चौरसिया, शकील अहमद जादूगर, दिग्विजय सिंह, नरसिंह दास, प्रेम दीप तिवारी, अमीर हैदर, भोलू तथा बैजनाथ प्रसाद उर्फ गटर सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)